तापमान
अधिकतम 25 .7 डिग्री
न्यूनतम 6 .3 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 14 दिसंबर 2025

12 नवोदय परीक्षा: 2217 बच्चों ने दिया पेपर व 755 गैरहाजिर

12 राष्ट्रीय लोक अदालत में 21027 केस निपटाए

खबर संक्षेप

खजूरी में 7 किसानों के ट्यूबवेल से चुराईं मोटरें

यमुनानगर। गांव खजूरी में चोरों ने बीती रात सात किसानों के ट्यूबवेल से मोटरें चोरी कर ली। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार गांव खजुरी निवासी अनिल कुमार ने जठलाना पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह 11 दिसंबर को देर शाम खेतों से काम खत्म करके अपने घर आ गए था। सुबह जब वह खेतों में गए तो उसके ट्यूबवेल के कमरे का ताला टूटा हुआ था और अंदर से मोटर गायब थी। जांच करने पर पता चला कि चोरों ने गांव के ही देवेंद्र, नीरज चौहान, पवन कुमार, राजेश कुमार व संजय कुमार के खेतों से भी ट्यूबवेल की मोटर चोरी कर ली है। उसने चोरी की सूचना पुलिस को दी।

पुलिस से धक्कामुक्की कर आरोपी को भगाया

यमुनानगर। सारण में आरोपी को पकड़ने गई आर्थिक अपराध शाखा यमुनानगर पुलिस टीम के साथ धक्का मुक्की करके दो व्यक्ति एक आरोपी को छुड़वाकर अपने साथ भगा ले गए। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार जिला पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा में तैनात एएसआई हरिंदर सिंह ने थाना छप्पर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गांव सारण निवासी देशराज को सुबह 10 बजे अपराधिक मामले में गिरफ्तार करने के लिए गए थे। जब उन्होंने आरोपी देशराज को हिरासत में लिया तो वहां पर आशू व मोनू आ गए। आरोपियों ने उनके साथ धक्का मुक्की तथा हाथापाई कर आरोपी देशराज को छुड़ा लिया।

1271 कर्मचारियों को हरियाणा कौशल रोजगार निगम से जोड़ने की मांग

सीएम आवास पर प्रदर्शन व गिरफ्तारी के बाद कर्मचारियों ने धरना किया शुरू

■ अनुबंध कर्मचारी हेल्थकेयर रोहतक एसोसिएशन ने सीएम से मिलने की मांग की, गुरनाम सिंह चढूनी ने दिया समर्थन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

अनुबंध कर्मचारी हेल्थकेयर रोहतक एसोसिएशन ने 1271 कर्मचारियों को हरियाणा कौशल रोजगार निगम से जोड़ने की मांग को लेकर कुरुक्षेत्र के थीम पार्क के समीप धरना शुरू कर दिया है। धरनारत एसोसिएशन के कर्मचारी मुख्यमंत्री से मिलने की मांग कर रहे हैं। गत वीरवार को अनुबंध कर्मचारी हेल्थकेयर रोहतक एसोसिएशन के कर्मचारियों ने सीएम आवास पर प्रदर्शन किया था जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया था और रोहतक छोड़ दिया था। मुख्यमंत्री से मिलने की मांग को लेकर सभी कर्मचारी शुक्रवार को दोबारा कुरुक्षेत्र पहुंचे, जहां पुलिस ने दिनभर सभी कर्मचारियों को पुलिस लाइन में बैठाए रखा। अब शनिवार से इन कर्मचारियों ने थीम पार्क के समीप धरना शुरू कर दिया है।

धरने पर बैठे कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर अपना रोष जताया। एसोसिएशन के प्रधान अभिषेक ने बताया कि एसडीएम करनाल ने उन्हें एक सप्ताह के अंदर मुख्यमंत्री से मिलाने का आश्वासन दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह तक मुख्यमंत्री से नहीं मिलाया जाता को उनका प्रदर्शन उग्र रूप धारण कर लेगा जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। वहीं, धरनारत कर्मचारियों के बीच भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी ने पहुंचकर अपना समर्थन देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को इन कर्मचारियों की बात एक बार अवश्य सुन लेनी चाहिए।

कुरुक्षेत्र। सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते कर्मचारी।

जून से हड़ताल पर हैं पीजीआई कर्मचारी

उल्लेखनीय है कि जून महीने से रोहतक पीजीआई में काम करने वाले 1271 अनुबंध कर्मचारी हड़ताल पर हैं। दो महीने तक करनाल जिला सचिवालय के सामने भी धरना जारी रहा। अब ये कर्मचारी पैदल मार्च निकालते हुए कुरुक्षेत्र पहुंचे हैं। 1271 कर्मचारियों को हरियाणा कौशल रोजगार निगम से जोड़ने की मांग की जा रही है। एसोसिएशन का कहना है कि यह मांग जायज है। सरकार ने अन्य विभागों के हजारों कर्मचारियों को एचकेआरएन से जोड़ा है। रोहतक पीजीआई में अनुबंध आधार पर काम कर रहे कर्मचारियों के साथ ही भेदभाव क्यों किया जा रहा है। इस अवसर पर अभिषेक, महेश, ईश्वंती, संजय, सुरेंद्र, प्रदीप, अजीत, बलराज, सतीश, दिलबाग, देवेंद्र, अनीता, सुमित्रा, रीना, पूनम, सुमन, अभिमन्यु व वजीर सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी शामिल रहे।

ग्रामीण ट्यूबवेल ऑपरेटरों ने सौंपा ज्ञापन

करनाल। विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण को ज्ञापन सौंपते ग्रामीण ट्यूबवेल ऑपरेटर संगठन के पदाधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

पब्लिक हेल्थ ग्रामीण ट्यूबल ऑपरेटर ऑर्गेनाइजेशन हरियाणा (संबंधित भारतीय मजदूर संघ) के प्रदेश व जिला कार्य समिति के सदस्य अपनी विभिन्न मांगों को लेकर विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण से घरौंडा स्थित उनके कार्यालय में मिले। इस दौरान संगठन की ओर से ग्रामीण ट्यूबवेल ऑपरेटरों की समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में मांग की गई कि ग्रामीण ट्यूबवेल ऑपरेटरों को कौशल रोजगार निगम में पोर्ट किया जाए, जिसकी स्वीकृति मुख्यमंत्री द्वारा पहले ही दी जा चुकी है। कौशल रोजगार निगम से संबंधित फाइल काफी समय से वित्त विभाग में विचाराधीन है, जिसे शीघ्र स्वीकृति दिलाई जाए। इसके साथ ही ग्रामीण ट्यूबवेल ऑपरेटरों को जन स्वास्थ्य विभाग में समायोजित करने, आठ घंटे की ड्यूटी ट्यूबवेल पर ही लेने तथा पंचायत और पब्लिक हेल्थ दोनों विभागों में ड्यूटी देने की व्यवस्था समाप्त करने की मांग रखी गई। इसके अलावा ग्रामीण ट्यूबवेल ऑपरेटरों का लंबे समय से लंबित एरियर भी शीघ्र दिलवाने की मांग की गई। विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने प्रतिनिधिमंडल को सभी मांगों को शीघ्र पूरा कराने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष जयप्रकाश, प्रदेश सह-कोषाध्यक्ष ओंकार सिंह, हुकुम सैनी, संदीप, मुकेश कुमार, बलबीर और प्रीतम सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

श्री गुरु रविदास मंदिर के चुनाव स्थगित होने से भड़के लोग

कुरुक्षेत्र। समाज के लोगों ने अशोक अरोड़ा को सौंपा ज्ञापन।

■ विधायक अशोक अरोड़ा को ज्ञापन सौंपकर विधानसभा में मुद्दा उठाने की मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला सभा के शासकीय व गवर्निंग बॉडी के चुनाव बार-बार स्थगित होने के चलते समाज के लोगों में भारी रोष है। इसे लेकर समाज के लोगों ने शनिवार को रविदास मंदिर में बैठक कर प्रशासन के प्रति रोष जताया। बैठक में समाज के लोगों ने फैसला लिया कि इस बारे में स्थानीय विधायक अशोक अरोड़ा से मुलाकात कर उनसे इस मुद्दे को विधानसभा में उठाने की मांग की जाए। जिसके बाद समाज के लोगों ने विधायक अशोक अरोड़ा से मुलाकात कर कमेटी के चुनाव जल्द करने और मुद्दा विधानसभा में उठाने के लिए मांग पत्र सौंपा। अशोक अरोड़ा ने समाज के लोगों को आश्वासन दिया है कि उनकी इस मांग को आने वाले विधानसभा सत्र में उठाकर कमेटी के चुनाव जल्दी करने की मांग की जाएगी।

पूर्व प्रधान सूरजभान नरवाल व पूर्व नगर पार्षद ओमप्रकाश ओपी ने बताया कि श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला सभा के चुनाव बार-बार स्थगित किए जा रहे हैं जिसको लेकर समाज के लोगों में भारी रोष है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी तंत्र जानबूझकर कमेटी के चुनाव को स्थगित कर रहा है। जिससे मंदिर के प्रति आस्था रखने वाले समाज के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंच रही है। उनका कहना है कि श्री गुरु रविदास मंदिर शासकीय कमेटी बॉडी के चुनाव के लिए कई बार चुनावी शेड्यूल जारी किया गया, लेकिन बार-बार इसे स्थगित किया गया। जिसके चलते समाज के लोग काफी नाराज हैं।

आंदोलन की चेतावनी

चुनाव लड़ने वाले इच्छुक प्रत्याशी भी बार-बार चुनाव स्थगित होने से काफी नाराज हैं। समाज के लोगों ने रोष प्रकट करते हुए चेतावनी दी कि अगर मंदिर कमेटी के चुनाव नहीं कराए गए तो वे धरना प्रदर्शन और आंदोलन करने से भी नहीं हिचकिचाएंगे। उनका कहना है कि मंदिर कमेटी के चुनाव करवाना लाजिमी है ताकि मंदिर के कार्यों को आगे बढ़ाया जा सके। इस मौके पर तारा चंद नरवाल, श्याम लाल अढोण, जोगी राम घराडसी, बलदेव सिंह चिब्बा, विजय कुमार, बचना राम, रमेश, बलबीर, सुभाष चंद, विजेंद्र, उमेद सिंह रंगा, दीपक कुमार व प्रभुदयाल आदि मौजूद रहे।

डाइट प्राचार्या नीलम ने ग्रहण किया पदभार

पानीपत। डाइट प्राचार्या नीलम कुंडू के पद ग्रहण पर उन्हें पौधा भेंट किया गया और डाइट प्रांगण में पौधरोपण किया गया। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुभाष भारद्वाज ने कहा कि नीलम कुंडू बहुत ईमानदार और कर्मठ अधिकारी हैं। उन्होंने प्राचार्या, बीइओ, डीपीसी आदि पदों पर निष्ठा के साथ कार्य किया। वहीं उप जिला शिक्षा अधिकारी सुनीता कादियान व खंड शिक्षा अधिकारी जयपाल सरोहा ने कहा कि डाइट प्राचार्या नीलम कुंडू मेहनती और कुशल अधिकारी हैं। वहीं प्राचार्या नीलम कुंडू ने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य जिले को निपुण बनाना है। पानीपत कब डीओसी हरिओम ने बताया कि हम टीचर्स ने मिलकर ओम ग्रीन कमेटी बनाई है जो हर शुभ अवसर पर पौधरोपण करती है।

अम्बाला नगर निगम की वार्डबंदी में जनसंख्या को लेकर उठे सवाल

■ न्यूनतम तीन लाख आबादी कानूनन जरूरी : एडवोकेट हेमंत

■ वेबसाइट पर अम्बाला नगर निगम की जनसंख्या मात्र 2 लाख 56 हजार 337 दर्शाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अम्बाला

अम्बाला नगर निगम की ताज़ा वार्डबंदी संबंधी प्राथमिक अधिसूचना प्रकाशित होने के बाद नगर निगम क्षेत्र की वास्तविक और आधिकारिक जनसंख्या को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के अधिवक्ता एवं नगर निकाय कानून के जानकार हेमंत कुमार ने कहा है कि अम्बाला नगर निगम के आगामी आम चुनाव से पहले निगम क्षेत्र की न्यूनतम तीन लाख जनसंख्या का कानूनन पूरा होना अनिवार्य है।

प्रदेश के शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा शुक्रवार को हरियाणा नगर निगम वार्ड परिसीमन नियमावली, 1994 के नियम 9 के अंतर्गत अम्बाला नगर निगम क्षेत्र के 20 वार्डों के परिसीमन (वार्डबंदी) को लेकर प्राथमिक अधिसूचना जारी की गई है। इस पर जनता 18 दिसंबर तक आपत्तियां और सुझाव दे सकती है। उल्लेखनीय है कि अम्बाला नगर निगम के मौजूदा सदन का कार्यकाल 13 जनवरी 2026 को समाप्त हो रहा है। इस बीच एडवोकेट हेमंत कुमार ने गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि वर्तमान में शहरी स्थानीय निकाय विभाग की वेबसाइट पर अम्बाला नगर निगम की जनसंख्या मात्र 2 लाख 56 हजार 337 दर्शाई जा रही है, जबकि हरियाणा नगर निगम अधिनियम, 1994 के अनुसार किसी भी नगर निगम के अस्तित्व के लिए न्यूनतम तीन लाख जनसंख्या आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इससे पहले 4 सितंबर 2025 को शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा प्रकाशित एक अधिसूचना में अम्बाला नगर निगम की जनसंख्या 2 लाख 71 हजार 68 दर्शाई गई थी। ऐसे में महज डेढ़ माह के भीतर जनसंख्या में करीब 15 हजार की गिरावट होना एक गंभीर और जांच का विषय है। एडवोकेट हेमंत ने यह भी कहा कि विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार अम्बाला सदर (कैंट) नगर परिषद की जनसंख्या 2 लाख 68 हजार 976 दर्शाई गई है, जो अम्बाला नगर निगम से लगभग साढ़े 12 हजार अधिक है। जबकि इसी वर्ष मार्च माह में अम्बाला सदर में नगर परिषद के चुनाव कराए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि ये आंकड़े हरियाणा सरकार के नागरिक संसाधन सूचना विभाग (सिटीजन रिसोर्सेज इंफॉर्मेशन विभाग) से संबंधित हैं और 23 अक्टूबर 2025 तक अपडेट बताए जा रहे हैं।

वार्डबंदी के लिए मांगी आपत्तियां व सुझाव

अंबाला। नगर निगम कमीशनर विरेन्द्र लाठर ने जारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि नगर निगम की वार्डबंदी की प्राथमिक अधिसूचना सरकार द्वारा जारी की जा चुकी है जिसके द्वारा 07 दिन की समय अवधि में आपत्तियां एवं सुझाव उपायुक्त अम्बाला के माध्यम से आमंत्रित किए जाते हैं। उन्होने जनसाधारण को अवगत करवाते हुए बताया कि इस वार्डबंदी की प्राथमिक अधिसूचना के बारे में यदि कोई आपत्तियां एवं सुझाव हैं तो वह दिनांक 18 दिसम्बर सांय 3 बजे तक नगर निगम अम्बाला व उपायुक्त अम्बाला के कार्यालय में दर्ज करवाने का कष्ट करें। निश्चित समय अवधि के उपरांत कोई भी आपत्ति व सुझाव दर्ज नहीं किए जाएंगे। वार्डबंदी की प्राथमिक अधिकसूचना नगर निगम अम्बाला की वैबसाईट पर नगर निगम कार्यालय व उपायुक्त कार्यालय में देखी जा सकती है।

विदेश भेजने के नाम पर 60 लाख की ठगी

मुलाना। विदेश भेजने और कनाडा में पीआर दिलाने के नाम पर एक व्यक्ति से करीब 60 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित धर्मवीर सिंह निवासी गांव सालेहपुर ने पुलिस अधीक्षक अंबाला को शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ साजिश रचकर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। पीड़ित धर्मवीर सिंह ने बताया कि वह खेती-बाड़ी करता है और अपने भाइयों के साथ मिलकर टाइल बनाने की एक छोटी फैक्ट्री भी चलाता है। पिछले कुछ समय से खेती और फैक्ट्री में नुकसान होने के कारण उस पर आर्थिक दबाव बढ़ गया था। इसी दौरान गांव के ही बलजिंद्र सिंह ने उसे डेराबस्सी क्षेत्र के कुछ एजेंटों से मिलवाया, जिन्होंने उसे और उसकी पत्नी को कपल वीजा पर कनाडा भेजने और वहां पीआर करवाने का झांसा दिया।

आरोप है कि गुरमेल सिंह, प्रिंस उर्फ देविंद्र सिंह, संदीप, गगनदीप और एक अन्य व्यक्ति ने मिलकर धर्मवीर से अलग-अलग तारीखों में आरटीजीएस, नकद और चेक के माध्यम से कुल 60 लाख रुपये ले लिए। लेकिन तय समय पर न तो वीजा लगा और न ही विदेश भेजा गया। उसे केवल 1 लाख रुपये वापस किए। अब जान से मारने की धमकी भी दी गई।

मरणोपरांत रानी इंसा की आंखें की दान

■ रानी इंसा की अंतिम यात्रा में बेटा बेटी एक समान के नारे को पूरा करते हुए तीनों बेटियों ने कंधा देकर एक मिसाल कायम की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

मरणोपरांत भी रानी इंसा की आंखें दुनिया को देखती रहेंगी। दरअसल 11 वार्ड निवासी 48 वर्षीय रानी इंसा का गत दिवस बीमारी के चलते निधन हो गया। रानी इंसा डेरा सच्चा सौदा की कर्मठ सेवादार थीं व मानवता के कार्यों में हमेशा अग्रणी रहती थीं। इसके चलते उन्होंने जीते जी नेत्र दान का फार्म डेरा सच्चा सौदा में भरा हुआ था।

इसके चलते ही परिवारजनों द्वारा उनकी इच्छा को पूरा करते हुए मरणोपरांत उनकी आंखों का दान किया गया है। जहां दो नेत्रहीन व्यक्ति को आंखें लगाई जाएंगी। परिवार की इस पहल का सम्मान करते हुए जन सेवादल के सदस्यों ने उनको सम्मानित किया। वहीं रानी इंसा की अंतिम यात्रा में बेटा बेटी एक समान के नारे को पूरा करते हुए तीनों बेटियों ने कंधा देकर एक मिसाल भी कायम की। रानी इंसा अपने पीछे बेटे सावन इसां के अलावा तीन बेटीयां संजना, कोमल और काजल को छोड़ गई हैं।

पानीपत। रानी इंसा के नेत्रदान के बाद परिजनों को सम्मानित करते जन सेवा दल के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

जरूरतमंद के लिए सतीश इंसा ने किया रक्तदान

पानीपत। डेरा सच्चा सौदा की शिक्षाओं से प्रेरित होकर जिले के ब्लॉक काबड़ी के सेवादार सतीश इंसा ने शाह सतनाम सिंह जी महाराज जी की स्मृति में जरूरतमंद मरीज के लिए एक यूनिट रक्तदान कर मानवता का फर्ज अदा किया। सतीश इंसा ने बताया कि दिसंबर का महीना डेरा सच्चा सौदा के परमपिता शाह सतनाम सिंह जी महाराज जी की याद में समर्पित है। आज उन्हीं के वचनों पर फूल चढ़ाते हुए रक्तदान करने का मौका मिला। उन्होंने बताया कि वधावा राम कॉलोनी के निवासी शुभम जो लीवर की बीमारी के कारण इसराना के एनसीसी मेडिकल कॉलेज में दाखिल हैं, को रक्त की आवश्यकता थी। सूचना मिलते एनसीसी कॉलेज में सतीश ने रक्त देकर शुभम के इलाज में मदद की।

सांवला पोलो ग्राउंड पर हुआ कुरुक्षेत्र के इतिहास का पहला पोलो मैच

सांसद नवीन जिंदल ने पांच गोल कर जितवाया पोलो मैच

सांसद नवीन जिन्दल की कप्तानी में कुरुक्षेत्र पोलो टीम ने कैथल को 7-4 से दी मात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

सांसद खेल महोत्सव 2025 के तहत सांवला के पोलो खेल मैदान में कुरुक्षेत्र के इतिहास का पहला पोलो एग्जिबिशन मैच हुआ। इसमें कुरुक्षेत्र व कैथल जिला की टीमों की ओर से खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। कुरुक्षेत्र की टीम के कप्तान के रूप में सांसद नवीन जिन्दल रहे और कैथल की टीम में कप्तान की भूमिका प्रणव कपूर ने निभाई। फाइनल परिणाम में कुरुक्षेत्र की टीम ने 7-4 से जीत हासिल की। मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए नवीन जिन्दल ने पांच गोल करते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। मैच के बाद उपस्थित दर्शकों को संबोधित करते हुए सांसद नवीन जिन्दल ने कहा कि पोलो भारत की पूरे विश्व को तोहफे के रूप में देन है। पोलो का उदय भारत के मणिपुर के ग्रामीण क्षेत्र से ही हुआ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है कि खेलों में भारत पूरी दुनिया में विश्व का नाम रोशन करें। इसी कड़ी में सरकार सांसद खेल महोत्सव का आयोजन करवा रही है।

कुरुक्षेत्र। पोलो मैच के दौरान भिड़ती कुरुक्षेत्र व कैथल की टीमें। फोटो : हरिभूमि

10 साल के शेरगिल ने दिखाया शानदार खेल

सांसद नवीन जिन्दल की कुरुक्षेत्र की टीम में वीर एस शेरगिल जो महज 10 साल आयु के खिलाड़ी हैं। वे भी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहे। इसके अलावा महेश शर्मा व सिद्धांत शर्मा ने भी कुरुक्षेत्र की टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन किया। वहीं कैथल टीम में प्रणव कपूर, अक्षय मलिक अभिनय और कृष्ण इंक्या शामिल रहे। मैच अंपायर की भूमिका सिमरन एस शेरगिल ने निभाई। विजेता खिलाड़ियों को ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर हजारों दर्शकों और स्कूली बच्चों ने मैच का उठाया। मैच में विधायक पूंडरी सतपाल जांबा, जिलाध्यक्ष तेजेंद्र खैहरा गोल्डी, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल व सुभाष कलसाना सहित हजारों दर्शक उपस्थित थे।

नशीला पदार्थ बेचते चार आरोपी गिरफ्तार

■ आरोपियों के पास से बरामद हुई 13 .4 ग्राम हेरोइन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

थाना बूडिया पुलिस ने गांव हल्दरी में हेरोइन बेचते हुए चार युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 13.4 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार थाना बूडिया में तैनात एसआई जसविंदर सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह शाम को टीम के साथ गश्त कर रहा था। इस दौरान टीम को सूचना मिली थी कि गांव हल्दरी में कुछ युवक नशीला पदार्थ बेच रहे हैं। सूचना मिलते ही उसने टीम के साथ मौके पर पहुंचकर वहां संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे युवकों को हिरासत में लेकर उनकी तलाशी ली तो उनके पास से 13.4 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

पूछताछ के दौरान आरोपियों की पहचान गांव हल्दरी निवासी वाजिद अली, फारूक, रुस्तम व ब्राह्मण माजरा निवासी राकेश कुमार के रूप में हुई। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

खबर संक्षेप

दुकानदारों ने रादौर में शीतला माता स्थल पर किया विशाल भंडारा

रादौर। रादौर के दुकानदारो द्वारा शनिवार को कस्बा के गीता बाजार खादी आश्रम के नजदीक स्थित शीतला माता के स्थल पर स्थान पर विशाल भंडारे का आयोजन किया। भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। श्रद्धालु एवं दुकानदार मुकेश अरोड़ा मक्की, गौरव गर्ग, सुनील कुमार, रवि, मन्नी, ओमप्रकाश चोपड़ा, सुरेंद्र चोपड़ा व दीपक मेहता आदि ने बताया कि सभी की सुख शांति की कामना को लेकर शीतला माता के स्थल पर हर वर्ष विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में आज भी भंडारे का आयोजन किया गया।

सड़क पार कर रहे भाई बहन को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, घायल

यमुनानगर। जगाधरी के डिंपल सिनेमा के पास सड़क पार कर रहे भाई बहन को अज्ञात बहन ने टक्कर मार दी। जिससे वह दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार बागवाली कॉलोनी निवासी संजीव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बेटी किरण व लड़का परम 10 दिसंबर को रात साढ़े आठ बजे किसी काम से जा रहे थे। जब वह डिंपल सिनेमा के पास सड़क पार करने लगे तो तेज गति से आ रहे अज्ञात वाहन ने उन दोनों को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों घायल हो गए।

नागरिक अस्पताल में ट्रामा सेंटर के समक्ष प्रदर्शन

स्वास्थ्य ठेका कर्मियों को दो माह से नहीं मिला वेतन, नारेबाजी की

यमुनानगर। सिविल अस्पताल पुराना ट्रामा सेंटर के बाहर प्रदर्शन करते स्वास्थ्य ठेका कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

डिप्टी सीएमओ को ज्ञापन सौंपा, जल्द वेतन मिलने का आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

स्वास्थ्य ठेका कर्मचारी यूनियन(संबंधित सर्व कर्मचारी संघ) के सदस्यों ने दो माह से वेतन नहीं मिलने के विरोध में शनिवार को जिला नागरिक अस्पताल स्थित ट्रामा सेंटर के बाहर प्रदर्शन किया। कर्मियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही उनका वेतन जारी नहीं किया गया तो ठेका कर्मचारी यूनियन आंदोलन को तेज कर देंगे। जिसकी जिम्मेदारी स्वास्थ्य विभाग की होगी।

शनिवार को स्वास्थ्य ठेका कर्मचारी यूनियन के सैंकड़ो सदस्य जिला प्रधान विजय कुमार के नेतृत्व में नागरिक अस्पताल स्थित ट्रामा सेंटर के समक्ष एकत्र हो गए और प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। मौके पर जिला प्रधान विजय कुमार व सर्व कर्मचारी संघ के जिला सचिव गुलशन भारद्वाज ने बताया कि सरकार ने कौशल निगम में लगे स्वास्थ्य ठेका कर्मचारियों की अक्टूबर व नवंबर माह के वेतन को जारी नही किया जा रहा है। दो महीने के वेतन रुकने के कारण कर्मचारियों में भारी रोष बना हुआ है। कर्मियों को अपने परिवार का गुजर बसर करना मुश्किल हो गया है। वेतन जारी करवाने को लेकर बीते सप्ताह यूनियन ने डिप्टी सीएमओ को ज्ञापन भी दिया था। जिस पर यूनियन को जल्द वेतन मिलने का आश्वासन दिया गया था। मगर अभी तक कर्मियों को वेतन जारी नहीं किया गया है। इनमें से ज्यादातर कर्मचारियों को केवल वेतन का ही सहारा है। कर्मचारियों में अपनी नौकरी को लेकर भी असमंजस बना हुआ है। अधिकारी से पूछे जाने पर भी तकनीकी खराबी का कारण बताया जाता है जो पिछले दो महीने से अभी तक ठीक नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि यह कर्मचारी वही करोना योद्धा है जिन्होंने अपनी जान की बाजी लगाकर आपातकालीन स्थिति में अपना योगदान दिया था। इस मौके पर राहुल,रवि, कुलदीप,पंकज, रणबीर, सोहन,अरुण आदि मौजूद रहे।

तापमान में आई गिरावट, घना कोहरा छाया रहा, जिले में और बढ़ेगी ठंडक

- जिले में घना कोहरा के कारण सुबह के दस बजे तक नहीं हुए सूर्य देव के दर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। घना कोहरा में धीमी गति में लाइटें जलाकर अपने गंतव्य पर जाते हुए वाहन।

जिले में शनिवार को दूसरे दिन भी सुबह के वक्त घना कोहरा छा जाने से मौसम में ठंडक बढ़ गई। जिससे जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया। सुबह के दस बजे के करीब सूर्य देव के दर्शन हुए। जिसके बाद लोगों ने घरों से निकलकर अपने कामधंधे निपटाए। मौसम में ठंडक बढ़ने से दूसरे दिन भी जिले के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। शनिवार तड़के तीन बजे से ही जिले में कई स्थानों पर घना कोहरा छा गया। इस दौरान जिले में सुबह करीब दस बजे तक कई स्थानों खासकर रादौर व जठलाना क्षेत्र में घना कोहरा छाया रहा। इस दौरान सड़कों पर दृश्यता कम होने पर वाहनों की गति धीमी रही। वहीं, मौसम में ठंडक बढ़ने से बच्चे गर्म कपड़ों में दुबक गए।

तापमान में आई गिरावट

जिले में दूसरे दिन शनिवार को भी घना कोहरा छाए रहने से तापमान घटकर अधिकतम 23 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम 7 डिग्री सेल्सियस रह गया। जिसकी वजह से मौसम में ठंडक बनी रही। आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ेगी।

टैगोर हाउस के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करके जीती ओवरआल ट्रॉफी

- मुकंदलाल नेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल रादौर में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रादौर

यमुनानगर। मुकंदलाल स्कूल रादौर में आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी।

मुकंदलाल नेशनल सीनियर सैकेंडरी स्कूल रादौर में शनिवार को तृतीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय के प्रिंसीपल प्रमोद ग्रोवर ने रिबन काटकर किया। स्कूल के प्रिंसीपल प्रमोद ग्रोवर ने बताया कि खेलकूद प्रतियोगिताओं में सौ मीटर, दो सौ मीटर, चार सौ मीटर दौड़ का आयोजन किया गया। वहीं, रिले रेस में बच्चों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इसी तरह दो सौ मीटर की हर्डल रेस के अलावा रस्साकसी, टंग आफ वार, के अलावा अभिभावक दौड़, शिक्षक दौड़ का भी आयोजन किया गया। सभी प्रतिभागियों ने खेल भावना का परिचय देते हुए शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं के समापन पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर टैगोर हाउस को ओवरऑल ट्रॉफी प्रदान की गई। विजेताओं को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। प्रिंसिपल प्रमोद ग्रोवर ने अपने संबोधन में कहा कि खेलकूद से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता है।

युवा पूरा करेंगे आत्मनिर्भर भारत का संकल्प : शर्मा

- राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान यमुनानगर में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत संगोष्ठी का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। राजकीय आईटीआई में आयोजित संगोष्ठी में संबोधन करते हुए मुख्यातिथि।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान यमनानगर में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्यातिथि के रुप में भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री फनींदर नाथ शर्मा ने भाग लिया। मौके पर भाजपा के जिला अध्यक्ष राजेश सपरा भी मौजूद रहे। संगोष्ठी की अध्यक्षता इस दौरान आईटीआई के प्रिसींपल ने की। मुख्यातिथि एवं भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री फनींदर नाथ शर्मा ने कहा कि युवा शक्ति राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत है। आत्मनिर्भर भारत का संकल्प युवाओं के दृढ़ निश्चय से ही पूर्ण होगा। युवा आगे बढ़ेंगे तो देश आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत हम सबका संकल्प है। प्रदेश संगठन महामंत्री फनींदर नाथ शर्मा ने युवाओं आहवान किया कि एक ऐसा भारत बनाएं जहां संसाधनों और अपनी तकनीक पर गर्व करते हुए आगे बढ़े । आत्मनिर्भर भारत वह सोच है जो हर भारतीय को अपने कौशल, श्रम और स्वदेशी उत्पादों के माध्यम से देश के विकास में भागीदार बनने की प्रेरणा देती है। जब हर नागरिक मेक इन इंडिया का हिस्सा बनेगा। तभी भारत विश्व का नेतृत्व करेगा।

स्वदेशी उत्पादों के महत्व पर जोर दें : फनींदर नाथ

संगठन महामंत्री फनींदर नाथ शर्मा ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के लिए आत्मनिर्भर बनना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि युवाओं द्वारा स्वदेशी उत्पादों के महत्व, आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की उभरती प्रगति तथा राष्ट्रहित में सजग एवं जागरूक उपभोक्ता बनने के संदेश को अत्यंत प्रभावशाली और रचनात्मक रूप में मजबूत किया जा रहा है। मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की शक्ति है कि छोटा कदम बड़ा बदलाव लाता है। आज लोकल खरीदो, कल भारत को विश्वगुरु बनाओ। हम सभी को अपने अपने क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना है व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में मजबूती से काम करना है। इस अवसर पर ओबीसी मोर्चा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मदन चौहान व आत्मनिर्भर अभियान की प्रदेश सहसंयोजक प्रीति जौहर ने कहा कि आज हमें भारत देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए स्वदेशी अभियान को आगे बढ़ाना है।

होली मदर पब्लिक स्कूल कांसापुर में धूमधाम से मनाया वार्षिक उत्सव

- वार्षिकोउत्सव में 200 मेधावी बच्चों को पुरस्कार देकर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देते हुए बच्चे।

होली मदर पब्लिक स्कूल कासांपुर (यमुनानगर) में शनिवार को वार्षिकोत्सव-2025 धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रुप में जिला पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने भाग लिया। वहीं, अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाचार्या मोनिका कश्यप ने की। विशिष्ट अतिथि के रुप में जिला शिक्षा अधिकारी प्रेम लता, आशा व आस्कर रेमेडीज एंड पेनम बायोसाइंसिस के एमडी नवदीप ढींगरा मौजूद रहे। उत्सव में बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मौके पर स्कूल के 200 मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार और मेडल देकर सम्मानित किया गया। स्कूल की प्रधानाचार्या मोनिका कश्यप ने बताया कि वार्षिकोत्सव का शुभारंभ गणेश वंदना से किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने वैलकम डांस, शिक्षा का रास्ता, एक पेड़ मां के नाम, युग व पैट्रियोटिक आदि कई ज्वलंत समस्याओं पर प्रकाश डालकर लोगों को प्रेरित किया। वहीं, वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण, मातृत्व एवं बुजुर्गों के प्रति सम्मान पर प्रस्तुतियां दी।

नशा मुक्त समाज के लिए सभी को भागीदारी करना होगी : प्रीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

उपायुक्त प्रीति।

सभ्य समाज में नशे के लिए कोई जगह नहीं है। इसलिए नशा मुक्त समाज बनाने के लिए हम सभी को मिलकर सतत प्रयास करने की आवश्यकता है। जिला उपायुक्त प्रीति ने जिलेवासियों को यमुनानगर जिले को नशामुक्त बनाने के लिए जनजागरुकता पैदा करने के लिए आहवान किया है। उपायुक्त प्रीति ने अपने कार्यालय में बातचीत करते हुए कहा कि नशे के कारण ही समाज में विभिन्न प्रकार की कुरीतियों पनपती हैं। कुरीति हीन समाज की संरचना के लिए सभी प्रकार के नशे का जड़ मूल से खात्मा होना चाहिए। उन्होंने बताया कि जिला को नशा मुक्त बनाने के लिए संबंधित विभागों के साथ साथ पुलिस विभाग द्वारा गंभीरता से कार्य किए जा रहे हैं। उपायुक्त प्रीति ने कहा कि अध्यापक व अभिभावक भी बच्चों को खेलों के साथ साथ अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त समाज की कल्पना को साकार करने के लिए हम सबको इसके खिलाफ जन जागरूकता पैदा करनी होगी। ताकि युवा पीढ़ी को बचा सकें।

ब्लैकमेल कर महिला से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

यमुनानगर। जिला की थाना फर्कपुर की पुलिस टीम ने महिला की अश्लील तस्वीरों को लेकर ब्लैकमेल कर दुष्कर्म करने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। फर्कपुर थाना प्रबंधक जनक राज ने जानकारी देते हुए बताया कि 12 दिसंबर को जिला अंबाला क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने शिकायत दर्ज करवाई कि उसकी सोशल मीडिया पर गांव कांसापुर निवासी यश से बात हुई थी। बाद में उसने मेरा नंबर मांगा और हमारी दोनों की बातचीत होने लगी। कुछ दिन पहले वह यमुनानगर आई आरोपी यश ने उसके साथ बिना उसकी सहमति के शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की तथा उसकी अश्लील तस्वीरें का इस्तेमाल करके वह उसे पिछले एक साल से ब्लैकमेल कर जबरदस्ती शारीरिक संबंध बना रहा था। जब वह मना करती तो उसे जान से मारने की धमकी देता था। नौ दिसंबर को आरोपी उसकी अश्लील फोटो लेकर उसके घर आ गया। उसने यह अश्लील फोटो उसके पति को दिखाई। जिससे उसके पति उससे अलग हो गया। वह उसे लेकर यमुनानगर आ गया और उसे एक कमरे में बंद करके अपने अन्य साथियों के साथ उसके साथ जबरदस्ती मारपीट व शारीरिक शोषण करने लगे।

यमुनानगर। कार्य का शिलान्यास करते हुए विधायक घनश्याम दास अरोड़ा व अन्य।

पेयजल वितरण प्रणाली को किया जाएगा सुदृढ़ : अरोड़ा

यमुनानगर। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा यमुनानगर शहर में अमृत योजना 2.0 के अन्तर्गत पुरानी व नव स्वीकृत कॉलोनियों में पेयजल वितरण प्रणाली को सुदृढ़ किया जाएगा। इसके लिए सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने नई स्वीकृत और पुरानी कालोनियों में पांच नए नलकूप स्थापित करने, नई जलापूर्ति लाइन बिछाने व पेयजल वितरण प्रणाली सुदृढ़ करने के कार्य का शिलान्यास किया है। मौके पर स्थानीय नागरिकों ने विधायक का फूलमालाएं पहनाकर स्वागत किया। सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश भर में समान रुप से विकास कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में पेयजल वितरण प्रणाली को सुदृढ़ किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिन विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया है।

संदिग्ध कॉल व मैसेज से सावधान रहें बैंकिंग जानकारी सांझा न करें : एसपी

- पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने साइबर ठगी से बचाव को लेकर एडवाइजरी की जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल।

जिला पुलिस प्रशासन द्वारा साइबर ठगी से बचाव को लेकर एडवाइजरी जारी की है। इसके लिए पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने जिलेवासियों को संदिग्ध कॉल व मैसेज पर विश्वास नहीं करने, बैंकिंग जानकारी सांझा नहीं करने के लिए सावधान किया है। उन्होंने अपने कार्यालय में साइबर ठगी से बचाव को लेकर जारी की गई एडवाइजरी की जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने बताया कि जिला पुलिस ने साइबर अपराध पर अंकुश लगाने व आमजन को साइबर अपराध के विरूध जागरूक करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने नागरिकों से केवाईसी अपडेट करने के नाम पर हो रही साइबर ठगी से सावधान रहने के लिए अनुरोध किया है। उन्होंने बताया कि साइबर ठग अपराध करने के नए नए तरीके अपनाकर लोगों के साथ ठगी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। साइबर ठग अब केवाईसी अपडेट के नाम पर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं।

अलाहर-कांजनू मार्ग क्षतिग्रस्त, लोग परेशान

रादौर। रादौर क्षेत्र का अलाहर-कांजनू मार्ग लंबे समय से क्षतिग्रस्त पड़ा होने से लोग परेशान हैं। इस मार्ग से क्षेत्र के करीब बीस पच्चीस गांवों के लोगों का आवागमन होता है। वहीं, मार्ग से रोजाना हजारों वाहन रादौर समेत अन्य शहर के लिए गुजरते हैं। मगर इसके बावजूद क्षतिग्रस्त मार्ग को ठीक नहीं करवाया गया है।

क्षेत्र के लोगों ने प्रदेश सरकार, कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा व संबंधित विभाग के अधिकारियों से मार्ग को ठीक करवाए जाने की मांग की है। क्षेत्र के राजेश कुमार, प्रवेश, दीपांशु, सोनू, मुकेश, राहुल व योगेश आदि ने बताया कि गांव अलाहर से कांजनू तक का सड़क मार्ग पिछले लंबे समय से क्षतिग्रस्त पड़ा हुआ है।

डीएवी डेंटल कॉलेज यमुनानगर में फेयरवेल पार्टी का आयोजन

लोक गीतों की धुनों पर विद्यार्थियों के साथ जमकर झूमे दंत चिकित्सक

- मुख्यातिथि के रूप में एसपी कमलदीप गोयल ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। डीएवी डेंटल कॉलेज में आयोजित फेयरवेल पार्टी में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

डीएवी डेंटल कॉलेज यमुनानगर में फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोकगीतों की धूनों पर विद्यार्थियों संग कॉलेज के दंत चिकित्सकों ने झूमकर खूब आनंद लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने भाग लिया। मौके पर उनकी धर्मपत्नी भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कालेज प्राचार्य डॉ. आई के पंडित ने की। मुख्यातिथि एवं पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इसके बाद विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। मौके पर विद्यार्थियों ने प्रसिद्ध फिल्म शोले के गब्बर व सांभा के किरदार को बखूबी निभाया और बसंती के डांस की भी जमकर सराहना हुई। कार्यक्रम के दौरान लोकगीतों व फिल्मी गानों की धुन को लेकर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी हुई। जिसमें कॉलेज स्टाफ , विधार्थियो व अभिभावकों ने भी भाग लिया। इस दौरान कालेज में बिताए गए दिनों की दिखाई गई डॉक्युमेंट्री देखकर कई विद्यार्थी भावुक हो गए।

पुलिस और डॉक्टरों का कार्य मिलता जुलता : एसपी

मुख्यातिथि एवं पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने कार्यक्रम की जमकर तारीफ की। उन्होंने ने कहा कि जब वह शिक्षा ग्रहण करते थे तो तब ऐसे प्रतिभा दिखाने के अवसर बहुत कम मिलते थे। उन्होंने कहा कि पुलिस और डॉक्टरों का ही ऐसा कार्य है जो मिलता जुलता है। पुलिस के पास भी व्यक्ति तभी आता है जब उसे कोई परेशानी हो और डॉक्टर के पास भी अपनी बीमारी की परेशानी लेकर आता है। पुलिस हो या डॉक्टर हमें व्यक्ति के चेहरे को देखकर समस्या का समाधान नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोर्स पूरा होने के बाद जहां आप में इस बात की खुशी भी है वही दोस्तों के बिछड़ने का गम भी साफ झलकता मैंने आपमें देखा है। अब आगे आपके सामने काम को लेकर कई चुनौतियां भी आएंगे लेकिन आपने हिम्मत न हार कर इनका सामना करना है सफलता आपको जरूर मिलेगी। मौके पर कॉलेज प्राचार्य डॉक्टर आई के पंडित ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बच्चों द्वारा इतने सुंदर कार्यक्रम का आयोजन बच्चों के अंदर छुपी प्रतिभा को दिखाता है। उन्होंने कहा कि डीएवी संस्था द्वारा नशे के खिलाफ लोगों को जागरूक करने का अभियान चलाया जा रहा है और अगर पुलिस विभाग को भी किसी मदद की आवश्यकता होगी तो संस्था हर समय तैयार है।

दिनभर आसमान में छाए रहे बादल, ठंड में हुआ इजाफा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

शनिवार को सुबह आसमान में धुंध व दिनभर हल्के बादल छाए रहने के कारण लोग गर्म कपड़ों में लिपटे नजर आए। इसके साथ ही गर्म कपड़ों की दुकानों पर खरीदारों की अच्छी भीड़ लगी रही। लोगों ने गर्म व ऊनी वस्त्रों की जमकर खरीद की। शनिवार को पूरा दिन आसमान में बादल छाए रहे। बादल छाए रहने से मौसम में ठंड बढ़ गई है। जिले में न्यूनतम तापमान करीब 9 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया। सर्दी से बचने के लिए लोग गर्म कपड़ों में लिपटकर सड़कों पर निकले। इसके साथ ही गर्म कपड़ों की दुकानों पर सुबह से ही भीड़ जुटना शुरू हो गई थी। लोगों ने खास तौर पर मेन बाजार में गर्म कपड़ों की जमकर खरीदारी की।

कुरुक्षेत्र। आसमान में छाए बादलों का दृश्य।

धुंध और ठंड गेहूं की फसल के लिए वरदान

ठंड के कारण बच्चे और बुजुर्ग घरों में ही कंबल और ऊनी चादर ओढ़कर दिन भर बैठे रहे। धुंध व ठंड गेहूं की फसल के लिए बारिश वरदान बनकर आई है। अभी तक विंटर रेन न होने से किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीरें थी। फसल से अच्छी पैदावार लेने के लिए सिंचाई की जरूरत थी। अभी तक अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक चल रहा था जिससे गेहूं की फसल के लिए अनुकूल नहीं माना जा रहा था। कृषि विशेषज्ञ डा. कर्मचंद के मुताबिक, इस समय गेहूं की फसल के लिए धुंध व ठंड किसी वरदान से कम नहीं है। कई दिनों से सुबह में कोहरे के बाद दोपहर में धूप निकलती रही है, लेकिन शनिवार को सुबह का कोहरा छटते ही आसमान में बादरी छा गई। दिनभर सूरज संग लुकाछिपी का खेल चलता रहा। शीतलहर के आहट से लोग सजग हो उठे हैं। शाम होते ही ठंडी हवा ने सर्द मौसम की फिर से वापसी की दस्तक दी। पिछले कई दिनों से ठंड और तापमान में चढ़ाव देखने को मिल रहा था। आसमान पर बादल छाए रहने से ठंड में इजाफा हो गया । बाजार में लोगों ने गर्म कपड़ों की खरीदारी की।

लोगों ने की गर्म कपड़ों के लिए खरीदारी

अब लोगों को और ठंड का अहसास होने लगा है। लोगों ने बाजार से गर्म कपड़ों की खरीदारी की। दिनभर आते जाते सूरज के बीच मौसम में बदलाव के साथ ही हल्की ठंडी हवा भी चलती रही। शाम होते होते बाजार और सड़कों पर चहल- पहल भी कम हो गई। सड़कों पर सन्नाटा बढ़ गया। किसानों का कहना है कि यदि मौसम में साथ दिया तो गेहूं की अच्छी पैदावार हो सकती है। किसान अपने खेतों में लगे हुए हैं।

कुरुक्षेत्र। रैन बसेरे में की गई व्यवस्था।

प्रशासन ने जिला में बनाए 8 रैन बसेरे

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि सर्दी से बचने के लिए प्रशासन ने जिला में 8 रैन बसेरों को स्थापित किया है। कोई भी व्यक्ति अपना आईडी प्रूफ दिखाकर निशुल्क रैन बसेरा में रात को ठहराव कर सकता है। मौजूदा समय में शहर की पुरानी तहसील के पास 80 लोगों के रुकने की व्यवस्था, सन्निहित सरोवर के पास और दक्षिण मुखी रैन बसेरों में 10-10 लोगों के रुकने की व्यवस्था की गई है और चौथा रैन बसेरा कर ब्रह्मसरोवर स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर के पास है, जो संस्था को हैंडोवर किया हुआ है। इसके अलावा इस्माईलाबाद, पिहोवा, लाडवा और शाहाबाद में भी एक-एक रैन बसेरा तैयार किया गया है। उन्होंने नगर परिषद और नगर पालिकाओं के अधिकारियों को रैन बसेरों में उचित रखरखाव करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं।

खबर संक्षेप

निर्माण मजदूरों का सीएम आवास पर प्रदर्शन आज

कुरुक्षेत्र। निर्माण मजदूरों के हकों पर लगातार हो रहे हमलों, बंद पड़े सरकारी पोर्टलों, मनरेगा को लगभग ठप किए जाने, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और खुले भ्रष्टाचार के खिलाफ, न्यूनतम वेतन 26 हजार मासिक किए जाने को लेकर 14 दिसंबर को निर्माण मजदूरों का विशाल आक्रोश प्रदर्शन किया जाएगा। इस प्रदर्शन के तहत हजारों निर्माण मजदूर मुख्यमंत्री आवास का घेराव कर सरकार की मजदूर-विरोधी नीतियों के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराएंगे।

महाराणा प्रताप स्कूल में कार्यशाला आयोजित

कुरुक्षेत्र। महाराणा प्रताप पब्लिक स्कूल में जेंडर सेंसिटिविटी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्कूल के 60 शिक्षकों ने भाग लिया। विषय विशेषज्ञ सेमियल शर्मा और प्रोमिला सिंघल ने शिक्षकों को जेंडर सेंसिटिविटी के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि कैसे स्कूल में एक समावेशी और सहानुभूतिपूर्ण वातावरण बनाया जा सकता है। कार्यशाला में इंटरएक्टिव सत्र और गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शिक्षकों ने आकर्षक सामग्री और प्रभावशाली प्रस्तुति की सराहना की।

गायकों ने माता रानी का किया गुणगान

शाहबाद। नगर के प्राचीन माता बाला सुंदरी मंदिर में अष्टमी के उपलक्ष में माता का संकीर्तन किया गया। मंदिर के मुख्य पुजारी ऋषि राज और सतीश शर्मा ने बताया कि मंदिर में हर अष्टमी को माता का संकीर्तन किया जाता है जिसमें माता के भक्त सुंदर-सुंदर भेंट गाकर माता का गुणगान करते हैं। गायक पूरन आजाद और अजय गुप्ता ने माता की भजन ओ जंगल के राजा मेरी माता को लेकर आजा मैंने आज की ज्योत जगाई मेरे मन में मन है समय भजन पर आई हुई संगत भाव विभोर हो गई अंत में माता को भोग लगाया गया और आरती की गई तदोपरांत भंडारे का आयोजन किया गया।

सीएम विंडो शिकायत निवारण में कुरुक्षेत्र जिला प्रदेश में सातवें स्थान पर

11,822 शिकायतों में से 11,502 का समाधान, जिले का स्कोर 70.60

लंबित मामलों के त्वरित निपटारे के निर्देश, मुख्यमंत्री स्वयं ले रहे संज्ञान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री के पास पहुंचने वाली शिकायतों का समाधान करने के लिए जिला स्तर पर सीएम विंडो की सुविधा को शुरू की था। इस सुविधा को सुशासन दिवस पर ही शुरू किया गया था। इस सीएम विंडो पर अब तक 11822 शिकायतों को दर्ज किया गया है। इनमें से 11502 शिकायतों का प्रशासन द्वारा समाधान किया जा चुका है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि सीएम विंडो पर समाधान करने के मामले में जिला कुरुक्षेत्र प्रदेश पर सातवें स्थान पर है और इस जिले का स्कोर 100 में से 70.60 है। इस जिले में सीएम विंडो पर दर्ज की गई 11822 शिकायतों में से 183 शिकायतों पर संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा कार्रवाई की जा रही है और केवल 144 शिकायतें ही ऐसी है जो ओवरडयू हैं। इस जिले में 11502 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा।

उन्होंने कहा कि खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी, नगर परिषद एवं नगर पालिका, एसडीएम कार्यालय, तहसील कार्यालय और 57 से ज्यादा विभागों के पास लोगों ने अपनी शिकायतें दर्ज करवाई थी। इस जिले को नंबर एक स्थान पर लाने के लिए सभी अधिकारियों को और अधिक मेहनत और ईमानदारी के साथ कार्य करना होगा। सबसे पहले जितनी भी शिकायतें लंबे समय से लंबित हैं उन शिकायतों का समाधान करके रिपोर्ट को पोर्टल पर अपडेट करना होगा। सीएम विंडो की शिकायतों पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं संज्ञान ले रहे हैं। इसलिए सभी अधिकारी पूरी गंभीरता के साथ लंबित शिकायतों का समाधान करें।

जनसंवाद पर 153 शिकायतों पर की जा रही कार्रवाई

जनसंवाद कार्यक्रमों के दौरान कुल 418 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इसमें से 167 समस्याओं का समाधान किया जा चुका है और 153 शिकायतों पर संबंधित विभाग द्वारा कार्रवाई की जा रही है। इनमें से 58 शिकायतें ऐसी है जो ओवरव्यू हो चुकी हैं। इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं।

जिला परिषद के पास पहुंची 2579 शिकायतें

सीएम गिर्वे सैल पर सीईओ जिला परिषद के पास 2579 शिकायतें, डीडीपीओ के 433 शिकायतें, डीएमसी के 166 शिकायतें, डीआरडीए के पास 79 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इनमें से अधिकतर शिकायतों का समाधान किया जा चुका है। इस समय 28 विभागों के पास लगभग 60 शिकायतें ऐसे हैं जो ओवरडयू हैं। इन सभी शिकायतों का जल्द से जल्द समाधान करने के आदेश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए गए हैं।

समाधान शिविरों में 4879 समस्याओं का किया निपटारा

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि समाधान शिविरों में प्रशासन के पास कुल 7009 शिकायतें प्राप्त हो चुकी हैं। इनमें से 4879 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है और 1594 शिकायतें किसी ना किसी कारण से रद्दद की गई हैं और 226 लंबित शिकायतों पर कार्रवाई की जा रही है। इनमें से 291 शिकायतें दोबारा से दर्ज की गई है। इनता ही नहीं इनमें से 19 शिकायतें न्यायालय में विचाराधीन हैं।

पूर्व राज्यमंत्री ने 28 लाख रुपये की लागत से गलियों के निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

थानेसर में सरकार तीन गुणा तेजी से कर रही विकास : सुधा

कुरुक्षेत्र। गली के निर्माण कार्य का शिलान्यास करते पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि थानेसर हलका में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में तीन गुणा गति के साथ विकास कार्य किए जा रहे हैं। इस हलका के गांव और शहरों में सबका साथ सबका विकास नीति को आधार मानकर विकास कार्यों को अमलीजामा पहनाया जा रहा है। हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा वार्ड नंबर 26 विवेकानंद कॉलोनी में नगर परिषद की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, यशपाल नारंग, प्रिया नारंग ने विधिवत रूप से वार्ड 26 विवेकानंद कॉलोनी की गली नंबर 2 व 6 के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इन गलियों के निर्माण कार्य पर सरकार की तरफ से 28 लाख रुपये का बजट खर्च किया जाएगा। पूर्व राज्यमंत्री ने कहा कि निर्माण कार्य की सामग्री पर विशेष फोकस रखकर कार्य किया जाए। अगर किसी भी स्तर पर कोई कमी पाई गई तो संबंधित के खिलाफ सरकार की तरफ से सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। सभी नागरिक गंदगी को डस्टबिन में ही डालें। इससे घर, गली, मोहल्ला और शहर पूर्णत स्वच्छ रहेंगे। गांवों में लोगों की मूलभूत सुविधाओं को पूरा करने के संकल्प को भी पूरा किया है। इस मौके पर जसबीर सिंह, फूल सिंह, महिपाल शर्मा, बलबीर सिंह, चंद्रभान, बलवंत सिंह, जगदीश, गौरव नारंग आदि उपस्थित थे।

किसान रेस्ट हाउस में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक

रैली को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को सौंपी जिम्मेदारियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

अनाज मंडी स्थित किसान रेस्ट हाउस में आज कांग्रेस कार्यकतार्ओं की एक अहम व रणनीतिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस जिलाध्यक्ष मेवा सिंह ने की, जबकि बैठक का नेतृत्व कांग्रेस विधायक मनदीप सिंह चट्ठा के सुपुत्र अमर प्रताप चट्ठा ने किया। बैठक में हल्के के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान आज दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित की जा रही ऐतिहासिक वोट चोर गद्दी छोड़ विशाल रैली को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। रैली में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी व राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में होने वाले शक्ति प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां तय की गईं और उन्हें अलग-अलग ड्यूटियां सौंपी गईं। उन्नेताओं ने कहा कि यह रैली लोकतंत्र, संविधान और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए निर्णायक साबित होगी। बैठक के दौरान संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत करने, बूथ स्तर तक संपर्क बढ़ाने तथा जनता के बीच कांग्रेस की विचारधारा को प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर भी विस्तार से मंथन किया गया। बैठक में कर्णजीत चट्ठा, राकेश बधवार, सुभाष रामगढ़, मोहनलाल भांवरा, जितेंद्र बब्लू, जसमेर भटेडी सहित अनेक वरिष्ठ व युवा कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

पिहोवा। बैठक में मौजूद कांग्रेस जिलाध्यक्ष मेवा सिंह व अन्य।

पूर्व विधायक साहब सिंह सैनी का हुआ निधन

कुरुक्षेत्र। थानेसर से पूर्व विधायक साहब सिंह सैनी का अंतिम संस्कार शनिवार को देवीदासपुरा के श्मशान घाट में किया गया। उन्होंने शुक्रवार को पंचकूला के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। वे एक हफ्ते से अस्पताल में भर्ती थे। 7 दिसंबर को वह 85 साल के हुए थे। वह कुरुक्षेत्र के सेक्टर-13 में अपने परिवार के साथ रहते थे। साहब सिंह सैनी 1982 में लोकदल के टिकट पर अपने पहले ही चुनाव में विधायक बने थे। उन्होंने 22,893 वोट हासिल करके कांग्रेस के ओमप्रकाश गर्ग को 2,195 वोटों से हराया था। इसके बाद वे कांग्रेस में भी रहे। 2014 में वह भाजपा में शामिल हो गए थे। अब तक वह पार्टी में प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य थे। साहब सिंह सैनी का जन्म कुरुक्षेत्र के बाबैन खंड के फालसंडा गांव में 7 दिसंबर 1940 को हुआ था। 7 दिसंबर को वह 85 साल के हुए। इस दौरान वह अस्पताल में भर्ती थे। वह उम्र से संबंधित बीमारियों से जूझ रहे थे।

अध्यापिकाओं को सिखाई योग की एबीसी

कैंब्रिज वर्ल्ड स्कूल में योग कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज. ▶▶| कुरुक्षेत्र

धर्मनगरी पेहवा जिला कुरुक्षेत्र में स्थित कैंब्रिज वर्ल्ड स्कूल, के प्रांगण में अध्यापकों व स्टाफ हेतु एक योग कार्यशाला का आयोजन वहां की प्रबंधक समिति व हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डा जयदीप आर्य, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. मंजू शर्मा व जिला योग समन्वयक डॉ. जागीर सिंह व शिक्षा विभाग के अधिकारी जसबीर के कुशल मार्गदर्शन में किया गया जिसमें हरियाणा योग आयोग के सदस्य एवं भारतीय योग संस्थान की हरियाणा प्रांत इकाई के पूर्व संगठन मंत्री डॉ मनीश कुकरेजा ने एबीसी ऑफ यो की वीडियो के माध्यम से योग के 26 शब्दों का सैद्धांतिक व क्रियात्मक ज्ञान सभी प्रतिभागियों को दिया।

कुरुक्षेत्र। योग की एबीसी सिखाते डा. मनीश कुकरेजा।

हास्य योग का सामूहित रूप से किया अभ्यान

हास्य योग का अभ्यास सभी ने सामूहिक रूप से किया व इसके पश्चात सभी ने स्वयं को तनाव मुक्त अनुभव किया। विद्यालय के चेयरमैन महेश व उनकी धर्मपत्नी नीलम, मुख्य वक्ता डॉ. मनीश कुकरेजा, प्रिंसिपल प्रियंका शर्मा, भारतीय योग संस्थान पेहवा की मुख्य योग शिक्षिका पूनम सहित विद्यालय के शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक स्टाफ के सभी सदस्यों ने रुचिपूर्वक इस योग कार्यशाला में भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने गहनता से विषय को समझा व योग के विभिन्न आसनों यथा ताड़ आसन, गरुड़ आसन था प्राणायामों में गहरे लंबे श्वासो व भ्रामरी का अभ्यास किया। कार्यक्रम में विशेष आकर्षण रहा डॉ मनीश कुकरेजा द्वारा भगवान कृष्ण के मुख से लगे पवित्र वाद्य बांसुरी। चेयरमैन महेश तलवाड़ तथा प्रिंसिपल महोदया प्रियंका शर्मा द्वारा मुख्य वक्ता डा मनीश कुकरेजा को शाल पहना कर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

'हारे का तू है सहारा सांवरे, हमने भी तुझको पुकारा सांवरे' पर झूमे भक्त

- केडीबी रोड़ स्थित एक निजी पैलेस में भव्य श्रीश्याम संकीर्तन एवं भंडारे का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| थानेसर

खाटू श्याम जी के प्रचार प्रसार को समर्पित संस्था श्री बाबा खाटू श्याम परिवार ट्रस्ट कुरुक्षेत्र द्वारा शनिवार को केडीबी रोड़ स्थित एक निजी पैलेस में भव्य श्रीश्याम संकीर्तन एवं भंडारा आयोजित किया गया। संस्था के प्रधान शिव कुमार कौशिक ने बताया कि आयोजक पंडित लक्ष्मीनारायण शर्मा परिवार ने श्याम पूजन में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने पंक्तिबद्ध होकर भव्य श्याम दरबार के दर्शन किए। इस दौरान शाहाबाद के गायक श्रवणराज ने श्याम भजनों की झड़ी लगाई जिनमें ऐसी मस्ती कहाँ मिलेगी श्याम नाम रस पीले तू..., हमें तो जो भी दिया श्याम आपने दिया..., हारे का तू है सहारा सांवरे, हमने भी तुझको पुकारा सांवरे.... इत्यादि भजन सराहे गए साथ ही बाला जी के भी भजन सुनाए गए। श्याम भक्तों ने बारी-बारी से चंवर सेवा की। संकीर्तन के दौरान प्रधान ने श्याम जी की गाथा में बताया गया कि यें हारे के सहारे हैं। इनके दरबार से आज तक कोई निराश नहीं आया। भंडारे में सभी भक्तों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया। श्री श्याम आरती में प्रधान शिव कुमार कौशिक, डॉ.कृष्ण कुमार पबनावा, मोहिंदर पाल शर्मा, मोहन सिंह,भारत पाराशर,दीपक पाराशर, रमेश साहनी, सुरेन्द्र काठपाल, सुनील अंगीरस, मंगेश शर्मा, अनिल पाराशर, सतीश शर्मा, रविन्द्र राठौर आदिर शामिल रहे।

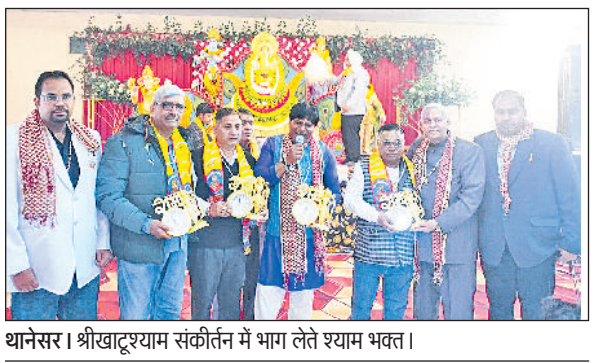

थानेसर। श्रीखाटूश्याम संकीर्तन में भाग लेते श्याम भक्त।

कार्यक्रम नो नशा नेशन व 100 कुंडीय हवन कार्यक्रम का भव्य आयोजन

भारतीय ज्ञान परम्परा युवाओं को सामाजिक बुराइयों के निवारण में सहायक: प्रो. सोमनाथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग तथा डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, कुरुक्षेत्र तथा आर्य युवा समाज द्वारा संयुक्त रूप से नो नशा नेशन तथा 100 कुंडीय हवन कार्यक्रम का भव्य एवं सफल आयोजन शनिवार को धरोहर हरियाणा संग्रहालय के सामने स्थित लॉन में किया गया। यह कार्यक्रम समाज को नशा-मुक्त बनाने तथा भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से आयोजित किया गया। इस अवसर पर डी.ए.वी. स्कूल की प्राचार्या श्रीमती गीता जसूजा को कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा व उनकी धर्मपत्नी डॉ. ममता सचदेवा द्वारा यज्ञ समापन अवसर पर स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

कुरुक्षेत्र। हवन यज्ञ में आहुति डालते यजमान।

वैदिक जीवनशैली को अपनाने की प्रेरणा देने की जरूरत

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा सामाजिक बुराइयों के निवारण में सहायक है। नशा आज युवाओं के लिए एक गंभीर सामाजिक चुनौती बन चुका है, जिससे निपटने के लिए शिक्षा, संस्कार और सामाजिक सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। भविष्य की पीढ़ियों को सुरक्षित करना व सामूहिक प्रार्थना से सकारात्मक राष्ट्र उर्जा का निर्माण करने की आवश्यकता है। नो नशा नेशन जैसे अभियान युवाओं को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कुलपति प्रो. सोमनाथ ने कहा कि युवा पीढ़ी को सत्कर्म और सदाचार की राह पर लाना है। घर-घर जागरण और सामाजिक जिम्मेदारी का निर्माण करना है। सभी को वैदिक जीवनशैली को अपनाने की प्रेरणा देने की जरूरत है। कार्यक्रम में सभी ने नशा न करने की शपथ भी ली कि हम खुद को बचाएंगे, दोस्तों को जगाएंगे। नो नशा कहकर आगे बढ़ जाएंगे। हमारा जिला, हमारा राज्य, हम ही बदलेंगे आज, नो नशा नेशन का सपना हम मिलकर सच बनाएंगे।

खबर संक्षेप

दो मामलों में 92 बोतल सहित दो आरोपी काबू

अंबाला। आपरेशन हॉट स्पाट डोमिनेशन के तहत अम्बाला पुलिस द्वारा अवैध शराब की तस्करी करने वालों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के दौरान 12 दिसम्बर को थाना नग्गल क्षेत्र गाँव नन्यौला से अवैध शराब तस्करी मामले में प्रबन्धक थाना नग्गल व पुलिस टीम ने तुरन्त कार्यवाही करते हुए आरोपी कुलदीप निवासी गाँव नन्यौला जिला अंबाला को 60 बोतल अंग्रेजी शराब व 24 बोतल देसी शराब (कुल 84 बोतल) अवैध शराब सहित काबू किया। इसी प्रकार एक अन्य मामले में 12 को थाना नग्गल क्षेत्र बस स्टैण्ड गाँव चौडमस्तपुर से अवैध शराब तस्करी मामले में प्रबन्धक थाना नग्गल व पुलिस टीम ने तुरन्त कार्यवाही करते हुए आरोपी निर्मल सिहँ निवासी गाँव चौड़मस्तपुर थाना नग्गल जिला अम्बाला को 08 बोतल देसी अवैध शराब सहित काबू कर न्यायिक प्रक्रियानुसार कार्यवाही की।

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। अंबाला पुलिस द्वारा चोरी/लूट/स्नैचिंग की वारदातों पर रोक लगाने के लिए चलाए गए अभियान के तहत थाना महेशनगर में दर्ज चोरी के मामले में 12 को प्रबन्धक थाना महेशनगर व पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए आरोपी रोहित कुमार उर्फ काकू निवासी शास्त्री नगर थाना माडल टाऊन होशियारपुर पंजाब वर्तमान पता डेहा कालोनी छावनी अंबाला को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस मामले के सम्बन्ध में शिकायतकर्ता आदित्य कुमार निवासी गोल्डन पार्क दयाल बाग अम्बाला छावनी जिला अम्बाला ने 28 अक्तूबर को थाना महेशनगर में शिकायत दर्ज करवाई थी कि 22 अक्तूबर को अज्ञात आरोपी ने उसकी एक्टिवा चोरी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया।

ढाठरथ मकान से सोने के जेवरात-नकदी चोरी

जींद। गांव ढाठरथ में एक मकान से दोपहर को जेवरात व लाखों रुपये की नगदी चोरी हो गई। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस को दी शिकायत में गांव ढाठरथ निवासी बनारसी ने बताया कि वह अपने लिए नया मकान बनवा रहा है।

ट्रैक्टर- ट्राली चोरी करने के मामले में आरोपी काबू

कैथल। थाना पुंडरी क्षेत्र के एक गांव से ट्रैक्टर- ट्राली चोरी करने के एक मामले की जांच एंटी व्हीकल थैफ्ट स्टाफ प्रभारी एसआई प्रदीप कुमार की अगुवाई में एएसआई जसमेर सिंह की टीम द्वारा करते आरोपी गांव बरसाना निवासी विक्रम को काबु कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांव रमाना रमाणी निवासी मनीष कुमार की शिकायत अनुसार उसकी गांव बरसाना में रेती बजरी की दुकान हैं।

दुर्घटनाग्रस्त हुई गाड़ी से हजारों का सामान चोरी

जींद। गांव गुलकनी के पास दुर्घटनाग्रस्त हुई गाड़ी से कुछ लोगों ने हजारों रुपये का सामान चोरी कर लिया। गाड़ी चालक ने विजय नामक एक युवक पर चोरी के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने विजय को नामजद कर अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। गांव गुलकनी के पास दुर्घटनाग्रस्त हुई गाड़ी से कुछ लोगों ने हजारों रुपये का सामान चोरी कर लिया। गाड़ी चालक ने विजय नामक एक युवक पर चोरी के आरोप लगाए हैं। पुलिस को दी शिकायत में रामराय निवासी सुरेंद्र ने बताया कि वह गांव में ही दुकान खोलने के लिए अपनी कार में सामान लेकर 21 नवंबर को हिसार की तरफ से आ रहा था।

बड़ौदा में सर्विस रोड पर पैचवर्क का काम शुरू

उचाना। बड़ौदा में सर्विस रोड पर बने गहरे गड्ढों से वाहन चालकों को राहत मिली है। यहां पर फ्लाईओवर के दोनों तरफ बने गहरे गड्ढों से छुटकारा दिलाने के लिए पैचवर्क का कार्य चल रहा है। काफी हद तक कार्य पूरा हो चुका है। यहां से आने-जाने वाले वाहन चालकों को गहरे गड्ढों के चलते हादसा होने का डर रहता था। गांव की तरफ जो सर्विस रोड है वहां तो काफी गहरे गड्ढे होने के चलते दोपहिया वाहन चालक चोटिल तक हो चुके थे। बारिश के मौसम में पानी भरने से वाहन चालक को गड्ढों का पता नहीं होने से वाहन पलटते-पलटते बचते थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

कक्षा छह में प्रवेश के लिए परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न

नवोदय परीक्षा: 2217 बच्चों ने दिया पेपर, 755 गैरहाजिर

बालकों की उपस्थिति 73.65 प्रतिशत और बालिकाओं की उपस्थिति 75.45 प्रतिशत दर्ज की

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

बहल। परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण करते हुए डीईओ सुधीर कालड़ा। फोटो: हरिभूमि

जवाहर नवोदय विद्यालय कांवला में कक्षा छह में प्रवेश के लिए अंबाला जिले में रविवार को प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं सुव्यवस्थित वातावरण में आयोजित की गई। यह परीक्षा जिले के 13 निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर सुबह 11:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक संपन्न हुई। सभी परीक्षा केंद्रों पर प्रशासन की ओर से सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे परीक्षा निर्बाध रूप से संपन्न हो सकी। जिले में इस प्रवेश परीक्षा के लिए कुल 2972 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें 1408 बालक और 1564 बालिकाएं शामिल थीं। परीक्षा में कुल 2217 विद्यार्थी उपस्थित रहे, जिनमें 1037 बालक और 1180 बालिकाएं थीं, जबकि 755 विद्यार्थी परीक्षा में अनुपस्थित रहे। इस प्रकार कुल उपस्थिति 74.60 प्रतिशत रही। बालकों की उपस्थिति 73.65 प्रतिशत तथा बालिकाओं की उपस्थिति 75.45 प्रतिशत दर्ज की गई, जिसे अधिकारियों ने संतोषजनक बताया। परीक्षा की पारदर्शिता, निष्पक्षता और सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी ज्योति रानी तथा जिले के सभी खंड शिक्षा अधिकारियों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण अवसर

जिला शिक्षा अधिकारी ने अंबाला शहर एवं अंबाला कैंट क्षेत्र के कई केंद्रों का दौरा कर परीक्षा कक्षों की व्यवस्था, बैठने की सुविधा, अनुशासन, सुरक्षा व्यवस्था तथा प्रश्नपत्रों की गोपनीयता की विस्तार से समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा ने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई और कहीं से भी नकल, अव्यवस्था या किसी प्रकार की शिकायत की सूचना प्राप्त नहीं हुई। उन्होंने परीक्षा ड्यूटी में लगे शिक्षकों, कर्मचारियों एवं सुरक्षा कर्मियों के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि उनके सहयोग से परीक्षा को सफलतापूर्वक संपन्न कराया जा सका। जवाहर नवोदय विद्यालय कांवला के प्रिंसिपल अजय कुमार ने बताया कि विद्यालय में कक्षा छह की 80 सीटों पर प्रवेश के लिए यह परीक्षा विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि नवोदय विद्यालय ग्रामीण प्रतिभाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से कार्य कर रहे हैं। परीक्षा के शांतिपूर्ण आयोजन से विद्यार्थियों और अभिभावकों में संतोष देखा गया तथा उन्होंने प्रशासन और शिक्षा विभाग की व्यवस्थाओं की सराहना की।

लोक अदालत का किया आयोजन

कुल 21027 मामलों का निपटारा किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला। लोक अदालत में समस्याओं के समाधान करते हुए अधिकारी।

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के निर्देशानुसार राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 13 दिसंबर को किया गया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अम्बाला के सचिव प्रवीन ने बताया की लोगों के लम्बित मामलों का निपटारा करने के लिए समय समय पर लोक अदालतों का आयोजन किया जा रहा है। इस कड़ी में 13 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया है। लोक अदालत में वैवाहिक के 115 मामले पारिवारिक विवाद के 476 मामले, आपराधिक के 1184 मामले, भूमि अधिग्रहण एव श्रम विवाद के 476 मामले एंव बैंक रिकवरी के 1039 और 6,20,500 राशि का भुगतान व और कुल 21027 मामलों का निपटारा किया।

हेल्प डेस्क स्थापित किया

इस कड़ी में जिला न्यायालय में हेल्प डेस्क भी स्थापित किया है ताकि लोगों तक इसकी अधिक से अधिक जानकारी पहुँच सके और ज्यादा से ज्यादा लोग इस लोक अदालत का फायदा ले सकें। सचिव, प्रवीन ने बताया कि इसके अलावा बिजली पानी इत्यादि संबधित प्री लिटिगेशन स्टेज पर मुकदमे स्थायी लोक अदालत में लगाकर निपटा, जा सकते है। स्थायी लोक अदालत जिला, डी आर सेंटर अंबाला में स्थापित है।

धोखाधड़ी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। आपरेशन हॉट स्पाट डोमिनेशन के तहत अम्बाला पुलिस द्वारा अपराधों की रोकथाम व आपराधिक मामलों में वांछित आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान थाना नग्गल में दर्ज विदेश भेजने की धोखाधड़ी के मामले में 10 दिसम्बर को पुलिस ने कार्यवाही करते आरोपी सोमनाथ सिहँ निवासी गाँव काकी जालन्धर पंजाब को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेशानुसार 02 दिन का पुलिस रिमाण्ड प्राप्त किया गया था जिसे आज न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। शिकायतकर्ता अमर निवासी गावँ सुलखनी शाहबाद जिला कुरुक्षेत्र ने 18 अगस्त को थाना नग्गल में शिकायत दर्ज करवाई थी।

मुलाना: पुरानी अनाज मंडी में निर्माणाधीन मकान में चोरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुलाना

मकान से निकलता हुआ चोर।

मुलाना में पुरानी अनाज मंडी में चोरी की एक घटना सामने आई है।

सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में दिखा चोर

यहां एक निर्माणाधीन मकान में अज्ञात चोर घुस गया और वहां से लोहे का सामान तथा बिजली का सामान चोरी कर ले गया। जब यह घटना घटी उस समय मकान पर कोई मौजूद नहीं था। मिली जानकारी के अनुसार, पुरानी अनान मंडी में अशोक जैन के मकान का निर्माण कार्य चल रहा है और वहां लोहे का व बिजली का सामान तथा अन्य सामग्री रखी हुई थी। सुबह जब मकान मालिक मौके पर पहुंचे तो देखा कि वहां से काफी सामान गायब है।

लाठी-डंडों से हमला करने का आरोप

- जेसीबी में तोड़फोड़; चार घायल, पुलिस मामले की जांच में जुटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुलाना

थाना मुलाना क्षेत्र के डेरा सुहाना में शुक्रवार सुबह खेत में काम कर रहे एक परिवार पर लाठी-डंडों से हमला करने और जेसीबी मशीन को क्षतिग्रस्त करने का मामला सामने आया है। हमले में एक बुजुर्ग किसान सहित चार लोग घायल हो गए, जिन्हें पहले सिविल अस्पताल मुलाना और बाद में सिविल अस्पताल अंबाला कैंट रेफर किया गया। पीड़ित 65 वर्षीय चूहड़ सिंह पुत्र मुतल्ली राम, निवासी डेरा सुहाना ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वह खेती-बाड़ी करता है और अपने परिवार के साथ डेरा सुहाना में रहता है। 12 दिसंबर को उनके रिश्तेदार सिगारा सिंह अपने दोनों बेटों बलजीत सिंह व सुरजीत सिंह के साथ उनके यहां आए हुए थे। सुबह करीब 9:15 बजे जब वह अपने बेटों, पत्नी और परिवारजनों के साथ खेत में काम कर रहे थे और जेसीबी मशीन से कार्य चल रहा था, तभी गांव के ही कुछ लोग 10-15 युवकों के साथ लाठी-डंडे लेकर मौके पर पहुंचे और अचानक हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने न केवल परिवारजनों के साथ मारपीट की, बल्कि जेसीबी चालक संजीव कुमार के साथ भी मारपीट कर मशीन को नुकसान पहुंचाया। हमले में चूहड़ सिंह, उनकी पत्नी जीतो देवी, भांजा बलजीत सिंह और जेसीबी चालक संजीव कुमार घायल हो गए। शोर मचाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए।

मामले की जांच जारी

डॉक्टरों के अनुसार कुछ घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि चूहड़ सिंह का इलाज जारी है। पुलिस ने सिविल अस्पताल अंबाला कैंट में चूहड़ सिंह का बयान दर्ज कर लिया है और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई और जान-माल की सुरक्षा की मांग की है। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है।

100 से अधिक प्रतिभागियों ने ऑनलाइन सहभागिता की

- एमडीएसडी कॉलेज में एआई पर ऑनलाइन कार्यशाला संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला। कार्यक्रम में भाग लेते हुए प्रतिभागी। फोटो: हरिभूमि

एमडीएसडी कॉलेज में प्रिंसिपल डॉ. सीमा सिंघल की अध्यक्षता में आर्टिफिशियल इंटेलिजन्स इन अकैडमिक लाइब्रेरीज विषय पर अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। आयोजन पुस्तकालय विज्ञान विभाग एवं कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यशाला में पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और चंडीगढ़ सहित देश के विभिन्न राज्यों से प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके साथ कनाडा (ब्रिटिश कोलंबिया), न्यूज़ीलैंड (हॉक्स बे), मस्कट (ओमान), सिंगापुर, यूनाइटेड किंगडम तथा यूएसए से भी 100 से अधिक प्रतिभागियों ने ऑनलाइन सहभागिता की। अध्यक्षीय संबोधन में प्रिंसिपल डॉ. सीमा ने कहा कि इंटेलिजन्स शैक्षणिक लाइब्रेरियों के स्वरूप और सेवाओं में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहा है। स्मार्ट लाइब्रेरी मॉडल, डिजिटल कौशल विकास और भविष्य-उन्मुख तकनीकों को अपनाने पर जोर दिया। कार्यशाला के कन्वीनर डॉ. कौशल चौहान ने कार्यक्रम की थीम पर प्रकाश डाला। कन्वीनर डॉ. निशा शर्मा ने मुख्य अतिथि एवं रिसोर्स पर्सन डॉ. जीतेंद्र पांडे (मस्कट, ओमान) का परिचय करवाया।

बधाई दी

डॉ. पांडे ने अपने व्याख्यान में आर्टिफिशियल इंटेलिजन्स के व्यावहारिक अनुप्रयोगों, चुनौतियों और लाइब्रेरी संचालन को अधिक प्रभावी बनाने पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने एआई आधारित लाइब्रेरी ऑटोमेशन, डेटा एनालिटिक्स, पर्सनलाइज्ड इंफॉर्मेशन सर्विसेज, चैटबॉट्स, मशीन लर्निंग तथा भविष्य की स्मार्ट लाइब्रेरियों की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। कार्यशाला में उप-प्राचार्य डॉ. निशू बंसल सहित कई फैकल्टी सदस्य ऑनलाइन जुड़े और सक्रिय सहभागिता की। आयोजन सचिव की भूमिका श्रीमती रजनी मित्तल ने निभाई। कार्यक्रम का समापन डॉ. कौशल चौहान द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कॉलेज के प्रधान अरविंद अग्रवाल, अमित बिंदल तथा प्रिंसिपल डॉ. सीमा सिंघल ने इस सफल आयोजन के लिए डॉ. कौशल चौहान, डॉ. निशा शर्मा और रजनी मित्तल को बधाई दी।

घर का रास्ता खोदकर अवैध कब्जे का प्रयास

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुलाना

मारपीट का लगाया आरोप, पुलिस ने किया केस दर्ज

गांव सोहाना में घर जाने वाले रास्ते को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। पीड़ित रोशन लाल पुत्र शान चन्द (उम्र 38 वर्ष), निवासी गांव सोहाना ने पुलिस को दिए बयान में आरोप लगाया है कि कुछ लोगों ने आपसी सलाह-मशवरे के बाद जेसीबी मशीन से उनके घर का रास्ता खोदकर अवैध कब्जा करने की कोशिश की और विरोध करने पर उनके व उनके जीजा के साथ मारपीट की। रोशन लाल के अनुसार वह रकबा सोहाना में इलेक्ट्रिशियन बैटरी बनाने की फैक्ट्री चलाते हैं। 10 दिसम्बर को मामा के निधन के कारण वह परिवार सहित कुरुक्षेत्र के गांव कमोदा गए हुए थे। इस दौरान उनकी पत्नी रेखा और बच्चे घर पर अकेले थे। तभी चुहड़ सिंह, जगतार सिंह, सोमनाथ, जीतो देवी, बाबूराम, उसकी पत्नी रीटा, विशाल, रितेश सहित अन्य रिश्तेदारों ने हथियारों व लाठी-डंडों के साथ जेसीबी मशीन से उनके घर जाने वाले रास्ते को खोदकर कब्जा करने का प्रयास किया।

पुलिस ने चलाया कोंबिंग अभियान

- आपराधिक मामलों में वांछित आरोपितों के खिलाफ चलाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो

इस मौके पर उन्होने कहा कि जो घुमन्तू जाति के लोग जो झुग्गी-झोपड़ियों में अभी कुछ ही समय से आकर रहने लगे हो उनकी गहनता से जाँच करें कि उनमें या उनके आसपास कोई अपराधिक प्रवृति का व्यक्ति छिपा ना हो, ऐसे व्यक्तियों को तुरन्त गिरफ्तार कर उचित कार्यवाही करें ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। पुलिस द्वारा चलाया गया यह अभियान क्षेत्र में कानून एवम व्यवस्था मजबूत करने, अपराधियों में भय का माहौल बनाने तथा नागरिकों में सुरक्षा की भावना बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया है।

आपरेशन हॉट स्पाट डोमिनेशन के तहत अंबाला पुलिस द्वारा अपराधों की रोकथाम व आपराधिक मामलों में वांछित आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान इसी कड़ी में आज प्रबन्धक थाना साहा व पुलिस टीम ने थाना साहा क्षेत्र गाँव केसरी, रेलवे स्टेशन केसरी, गाँव बीहटा, औद्योगिक क्षेत्र अम्बाला साहा रोड पर विशेष कोम्बिंग अभियान चलाया। पुलिस टीमों ने नशा करने वाले व्यक्तियों/जुआरियों/स्टोरियों, असामाजिक तत्वों, आवारगर्द व्यक्तियों के अड्डों पर अचानक छापेमारी करते हुए व्यापक कॉम्बिग अभियान चलाया। जिसमें आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने, कानून व्यवस्था बनाए रखने, संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करने एवम अपराधों, नशे/सट्टा-जुआ की रोकथाम के लिए बस अड्डों, ढाबों, धर्मशालाओं, टैक्सी स्टैण्डों, बाज़ार, भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों, संदिग्ध रास्तो, खाली स्थानो, खंडहरो में गहनता से कॉम्बिग अभियान चलाया।

1.635 किलोग्राम चरस सहित महिला गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

आरोपी महिला से गहनता से पूछताछ की जाएगी

पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान 13 दिसम्बर को थाना सैक्टर-9 अम्बाला शहर क्षेत्र से नशा तस्करी के मामले में एएनसी सैल निरीक्षक ऋषि पाल व पुलिस टीम ने तुरन्त कार्यवाही करते हुए आरोपी महिला दिव्या को 01 किलो 635 ग्राम चरस सहित गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के आदेशानुसार 03 दिन का पुलिस रिमाण्ड प्राप्त किया गया। रिमाण्ड के दौरान आरोपी महिला से गहनता से पूछताछ की जाएगी। इस मामले की जानकारी देते हुए एएनसी के निरीक्षक ऋषि पाल ने बतलाया कि 13 दिसम्बर 2025 को सूचना मिली थी कि आरोपी महिला दिव्या हिमाचल की रहने वाली है जिसकी 2002 में फरीदाबाद में शादी हुई थी। उसके बाद उसका वहां से तलाक हो गया और तलाक के बाद 2021 से कुलदीप सिहँ के साथ लिव इन रिलेशनशिप में लक्ष्मी नगर जण्डली में रह रही है। कुलदीप उर्फ गोल्डी जो इसका पति है वह टूर एण्ड टर्नर का काम करता है।

कलायत में नेशनल हाईवे-एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसा

कैथल: दो रोडवेज बस और एक ट्रक क्षतिग्रस्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ कैथल

कैथल के चंडीगढ़-हिसार राष्ट्रीय मार्ग पर गांव कैलरम के पास धान की ट्राली को पीछे से ट्रक की टक्कर लगने से पीछे चल रही हरियाणा राज्य परिवहन की दो बसें व एक निजी गाड़ी दुर्घटना ग्रस्त हो गई। इसमें कई लोगों को चोटें आई। मुख्य मार्ग पर काफी समय तक सडक़ व्यवस्था प्रभावित रही।

कलायत थाना प्रबंधक बलबीर सिंह के निर्देश पर डायल 112 व अन्य पुलिस टीमों ने व्यवस्था को संभाला। क्षतिग्रस्त वाहनों को सडक़ के बीच से हटाते हुए घायलों को संभाला गया। शनिवार को जम्मू-कटरा एक्सप्रेस वे पर भी दुर्घटना हुई। इसमें दिल्ली से अमृतसर की तरफ जा रहा एक ट्रक अचानक बीच सडक़ पलट गया। वाहन में चालक सहित तीन लोग फंस गए। सूचना मिलते ही डायल 112 मौके पर पहुंची। टीम प्रभारी जोगेंद्र सिंह ने बताया कि वाहन में फंसें लोगों को मशक्कत से बाहर निकाला गया और उपचार के लिए अस्पताल भेज गए।

थाना प्रभारी बलबीर सिंह ने बताया कि नेशनल हाईवे व एक्सप्रेसवे पर पर हुए सडक़ हादसों को लेकर किसी ने कोई शिकायत कार्यवाही के लिए नहीं दी। रेलवे रोड पर हुए हादसे में जान गंवाने वाली महिला के परिजनों ने आल्टो कार चालक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करवाया है। थाना प्रबंधक ने लोगों से सडक़ पर सुरक्षित एवं सावधानी से सफर करने की अपील की है।

कलायत। दुर्घटनाग्रस्त ट्रक।

कलायत। नेशनल हाई-वे पर दुर्घटनाग्रस्त राज्य परिवहन की बसें।

25 वर्ष से फरार चल रहा आरोपित गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

ऑपरेशन हॉटस्पोट डोमिनेशन अभियान के तहत उचाना मंडी चौकी पुलिस ने 25 साल से फरार चल रहे आरोपि को गिरफ्तार किया है। उचाना मंडी चौकी के इचार्ज उपनिरीक्षक अनील कुमार ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि थाना उचाना के तहत 30 अगस्त 1997 को वांछित आरोपित उचाना खुर्द निवासी मिथा को धारा 188, 332, 333, 353, 409, 506, 427 आईपीसी के तहत अदालत ने वर्ष 2001 में सात वर्ष कारावास की सजा सुनाई थी। सजा के उपरांत मिथा ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से से जमानत प्राप्त कर अपने गांव उचाना खुर्द से फरार हो गया तथा फरारी के दौरान आरोपित ने अपना नाम बदल कर कर्मबीर रख लिया तथा विभिन्न स्थानों पर संस्कृत, रामायण, महाभारत एवं वेदों के प्रचार-प्रसार की आड़ में अपनी पहचान छुपा कर जीवन व्यतीत कर रहा था। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोटए चंडीगढ़ द्वारा सजा बरकरार रखे जाने के पश्चात भी फरार आरोपित का कोई सुराग नही मिल पा रहा था। इसी दौरान चौकी मंडी उचाना पुलिस ने तकनीकि सूचना के आधार पर आरोपित मिथा वासी उचाना को चनालहेड़ी (कुरुक्षेत्र) से आरोपित को नियमानुसार गिरफ्तार किया। आरोपित मिथा को अदालत में पेश करके पुलिस आगामी कार्यवाही नियमानुसार अमल में लाई जा रही है।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 14 दिसंबर 2025

आज के दौर में रुपए, पैसे, गोल्ड, प्रॉपर्टी से कहीं ज्यादा मूल्यवान हो चुका है हमारा डेटा। इसीलिए इसको लेकर आम आदमी ही नहीं दुनिया भर की सरकारें भी चिंतित हैं। दरअसल, डेटा लीक या डेटा चोरी होने से इसका मिसयूज तो हो ही सकता है, हमारी सोच हमारी जीवनशैली को भी प्रभावित किया जा सकता है। डेटा की इंपॉर्टेंस और उसके प्रोटेक्शन के बारे में सभी को पता होना चाहिए।

हम सभी के लिए आवश्यक डेटा प्रोटेक्शन

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

यह इस साल या किसी एक देश की समस्या नहीं है। पिछले एक दशक से दुनिया के लगभग सभी देशों में सरकार, कॉरपोरेट जगत और आम लोगों के बीच लगातार डेटा प्रोटेक्शन को लेकर बहस से लेकर विचार-विमर्श तक जारी है। पिछले पांच सालों में दुनिया के एक दर्जन से ज्यादा देशों ने आम लोगों के डेटा सुरक्षा के लिए बेहद कड़े कानून बनाए हैं। पिछले महीने 14 नवंबर से हमारे यहां भी डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023 (डीपीडीपी) कानून के रूप में अधिसूचित हो चुका है, जो अगले 18 महीनों में पूरी तरह से अपने सभी प्रावधानों के साथ आम लोगों के डेटा की सुरक्षा करेगा।

हर तरफ आज डेटा की ही चर्चा सुनाई पड़ती रहती है। चाहे बड़ी-बड़ी कॉरपोरेट कंपनियां हों, चाहे अदालतें हों, चाहे बड़े-बड़े वित्तीय संस्थान हों, सरकारें हों, हर जगह डेटा का शोर है। आखिर ये डेटा क्या बला है, जिससे आज की जिंदगी का लगभग हर पहलू जुड़ा हुआ है। आइए, सबसे पहले समझते हैं कि आखिर यह डेटा है क्या?

क्या होता है डेटा: जब हम डेटा कहते हैं तो उसका मतलब आमतौर पर आम आदमी के डेटा से ही होता है, तो आम आदमी का डेटा आज उतना ही महत्वपूर्ण या कीमती है, जितना खनिज तेल, सोना, घातक हथियार जैसी दूसरी चीजें हैं। इसकी वजह सिर्फ तकनीकी नहीं है बल्कि दुनिया भर के लोगों का रोजमर्रा का आम व्यवहार, विभिन्न देशों में होने वाले चुनाव, अरबों-खरबों की होने वाली खरीदारी और हर तरह के कारोबार के मूल में आम आदमी का डेटा ही है। आम आदमी का डेटा वह बुनियादी मनोविज्ञान है, जिस पर कोई भी कंपनी, कोई भी सरकार या माफिया हर समय कब्जा जमाने की कोशिश में रहता है। इसे और भी विस्तार से इस तरह समझ सकते हैं कि डेटा आज इंसान का पूरा डिजिटल प्रोफाइल या बायोडाटा है।

इसलिए माना जाता है मूल्यवान: आज लगभग हर कंपनी चाहती है कि उसके पास ज्यादा से ज्यादा लोगों का डेटा हो, जिससे वह अपनी बिजनेस रणनीति गढ़ सके और भरपूर कमाई सुनिश्चित कर सके। दरअसल, डेटा से कॉरपोरेट जगत को पता चलता है- आपकी उम्र, आपकी कमाई, आपकी रुचियां, आपकी पसंद-नापसंद, आपके ऑनलाइन रहने का समय, आपकी खरीदारी की खास चीजें, आप किन चीजों से प्रभावित होते हैं और किन से आपका मूड खराब होता है? कहने का मतलब आपका डेटा आपकी पूरी तरीके से जीवन कुंडली बन चुकी है, जिसे कोई भी कॉरपोरेट कंपनी जानकर आपकी पसंदीदा चीजों का उत्पादन, व्यापार आदि कर सकती है। कहना गलत नहीं होगा कि इसी डेटा की बदौलत आज विभिन्न उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियां अपने ग्राहकों के बारे में उनके परिवार के लोगों से भी ज्यादा जानती हैं।

डेटा बताता है आपकी रुचियां: डेटा आज के कॉरपोरेट जगत का सबसे बड़ा कारोबार है। इसकी बदौलत कंपनियों को अरबों, खरबों का फायदा और न जानने से नुकसान होता है। दरअसल, आज कॉरपोरेट जगत की सबसे बड़ी रणनीति है, डिजिटल टारगेटिंग। आपने महसूस किया होगा कि सोशल मीडिया में (मसलन फेसबुक या यू-ट्यूब में) आप जिस तरह की पोस्ट को लाइक करते हो, उस पर ज्यादा देर तक रुकते हो, कुछ देर के बाद इंटरनेट आपको उसी तरह की पोस्ट दिखाने लगता है। दरअसल, ये उसी आर्टिफिशियल लर्निंग का नतीजा है, जो अकसर कंपनियां लोगों के डेटा के जरिए हासिल करती हैं। अगर आपने किसी एप से तनाव, मेडिटेशन आदि की जानकारी ली है, तो आप तो एक बार जानकारी ले करके बंद कर देंगे, लेकिन अगली बार जब आप अपना मोबाइल या लैपटॉप खोलेंगे तो वैसी ही जानकारियों का सैलाब उमड़ रहा होगा। अगर किसी फूड एप से आपने रात में 10-11 बजे किसी दिन फूड ऑर्डर कर दिया, तो अगले दिन से आपकी देखी जाने वाली हर जगह पर देर रात के एक से बढ़कर एक व्यंजनों के ललचाऊ ऑफर बार-बार आपकी आंखों के सामने से गुजरेंगे। दरअसल, वो आपको टारगेट कर रही हैं कि आपने एक दिन अगर देर रात फूड ऑर्डर किया है तो बार-बार करिए। इस तरह कई बार न चाहते हुए भी लोग इस डेटा चक्रव्यूह में फंसते जाते हैं।

सोच को भी करता है प्रभावित: आज की तारीख में जिस कॉरपोरेट कंपनी के साथ आम लोगों का जितना बड़ा डेटा बैंक होगा, उसे उतना ही ज्यादा व्यापार लाभ होगा, क्योंकि उसके कारोबार में सफल होने की उतनी ही ज्यादा संभावनाएं होंगी। सिर्फ खाने पीने की चीजें या रोजमर्रा की शॉपिंग के लिए ही कंपनियां आपको आपके डेटा से नहीं प्रभावित करतीं बल्कि आपके डेटा से आपकी सोच और आपके विचार तक प्रभावित होते हैं, बदले जा सकते हैं या उन्हें जानकर आपको प्रभावित करने की ठोस रणनीति गढ़ी जा सकती है। लब्बोलुआब यह कि लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक पार्टियां आम लोगों के डेटा के बदौलत उनके सोच और उनके विचारों तक को अपने पक्ष में मोड़ लेती हैं। मतलब यह कि आपके डेटा की बदौलत प्रत्यक्ष रूप से आपको प्रभावित किए बिना भी राजनीतिक पार्टियां आपसे अपने पक्ष में मतदान करवा सकती हैं। मतलब सिर्फ मोबाइल स्कैम नहीं है यह किसी के दिमाग को अपनी मुट्ठी में कैद करने जैसा है।

बढ़े हैं फाइनेंसियल स्कैम्स: यह डेटा ही है, जिसकी बदौलत पिछले एक दशक में वित्तीय अपराधों की बाढ़ आ गई है। पिछले एक दशक में भारत ही नहीं पूरी दुनिया में वित्तीय अपराधों में 500 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोत्तरी हुई है, क्योंकि इसी डेटा की बदौलत साइबर अपराधी, बैंकिंग फ्रॉड करते हैं, लोन धोखाधड़ी करते हैं, सिम स्वैप होता है। इसी डेटा से पिछले एक दशक में पूरी दुनिया में लाखों लड़कियों और महिलाओं को ब्लैकमेल किया गया है। इसलिए आज की तारीख में हम सभी के लिए डेटा प्रोटेक्शन बहुत ही जरूरी हो गया है। *

अपने डेटा को ऐसे रखें सुरक्षित

आपको वो तरीके भी जानने चाहिए, जिससे डेटा प्रोटेक्शन किया जा सकता है।

- हर जगह अपने पासवर्ड को ओपेन न रखें। अपना पासवर्ड कुछ बेहद व्यक्तिगत डेटा से निर्मित करें, क्योंकि देखा गया है कि ज्यादातर लोगों के पासवर्ड एक जैसे और अनुमानित होते हैं।
- आज की डिजिटल दुनिया में खुद को सुरक्षित रखने के लिए दो स्तरीय सुरक्षा जरूर करें। व्हाट्सएप, फेसबुक, गूगल, यूपीआई सबमें इसे ऑन करें, ताकि अगर आपका कोई पासवर्ड चुरा भी ले तो एकाउंट न खोल पाए।
- हर एप को अनावश्यक परमिशन न दें। जब भी आप किसी एप का इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं, तो वह आपसे कैमरा, आपकी लोकेशन, माइक्रोफोन, कॉन्टेक्ट आदि को साझा करने की शर्त रखता है। सोच-समझकर परमिशन दें।
- पब्लिक वाइफाई पर बैंकिंग या यूपीआई का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। इससे आपकी वित्तीय सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। कॉफी शॉप, रेलवे स्टेशन, मॉल आदि की पब्लिक वाइफाई सबसे ज्यादा असुरक्षित होती है।
- हर दो-तीन महीने में एप्स की सफाई करना जरूरी है। अगर आपके मोबाइल में 30-40 अनुपयोगी एप्स हैं, तो याद रखिए वो बैकग्राउंड में चुपचाप पड़े अपने मालिकों को आपकी जरूरी सूचनाएं यानी डेटा भेज रहे होते हैं। इसलिए हर दो महीने में अपने मोबाइल से उन सारे एप्स को डिलीट करें, जिन्हें आप इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर ओवर शेयरिंग से बचें।
- मोबाइल स्क्रीन को हमेशा लॉक करके रखें और पिन कभी अपनी जन्मतिथि या बहुत ईजी न बनाएं। पिन और पास वर्ड हमेशा मजबूत रखें।
- बैंकिंग ओटीपी, केवाईसी लिंक किसी को न भेजें, चाहे वह कितना ही बड़ा अधिकारी ही क्यों न हों।

विशेष: विश्व ऊर्जा संरक्षण दिवस आज

हमारी पृथ्वी पर ऊर्जा के कुछ संसाधन सीमित मात्रा में हैं। ऐसे में आने वाली पीढ़ियों के लिए ऊर्जा की अधिक से अधिक बचत और संरक्षण बहुत जरूरी है। इस बारे में हम सभी के लिए जानना बहुत जरूरी है, तभी छोटे-छोटे प्रयासों से ऊर्जा संरक्षण में हम अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

सुरक्षित भविष्य के लिए जरूरी है ऊर्जा की बचत और संरक्षण

सजगता
शिखर चंद जैन

वर्ष 1991 में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) के द्वारा ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाने की शुरुआत की गई थी। तब से दुनिया भर में हर साल 14 दिसंबर को ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। इसका मूल उद्देश्य है ऊर्जा की कमी, जरूरत और संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना।

ऊर्जा के प्रकार: ऊर्जा की बचत के तरीकों को जानने से पहले इसके प्रकारों के बारे में जानना जरूरी है। इसके विभिन्न स्रोतों को नवीकरणीय (रीन्यूएबल) और अनवीकरणीय (नॉन रीन्यूएबल) दो मुख्य श्रेणियों में बांटा जाता है।

नवीकरणीय: नवीकरणीय स्रोतों में सौर, पवन, जल (जलविद्युत), भूतापीय और बायोमास ऊर्जा शामिल होते हैं, जो प्राकृतिक रूप से रिसाइकिल हो जाते हैं।

अनवीकरणीय ऊर्जा स्रोत: अनवीकरणीय स्रोतों में कोयला, पेट्रोलियम (तेल), प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधन और परमाणु ऊर्जा शामिल हैं, जो सीमित मात्रा में हैं और एक बार उपयोग होने पर समाप्त हो जाते हैं।

क्यों जरूरी है ऊर्जा संरक्षण: ऊर्जा संरक्षण के कई आर्थिक लाभ तो हैं ही, इससे पर्यावरण की सुरक्षा भी होती है। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि ऊर्जा के संसाधन सीमित हैं, इसलिए इसे बचाना बेहद जरूरी है। यह ऊर्जा की लागत को कम करने, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाने और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में मदद करता है। इससे वायु प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याओं से लड़ने में मदद मिलती है। ऊर्जा संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों को भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखता है। ऊर्जा का कुशल उपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा को भी मजबूत करता है। ऊर्जा संरक्षण से बिजली और ईंधन के बिलों में कमी आती है, जिससे उपभोक्ताओं को पैसे बचाने में मदद मिलती है। ऊर्जा की कम मांग से नए बिजली संयंत्रों की आवश्यकता कम होती है, जो कि प्राकृतिक संसाधनों और बुनियादी ढांचे पर पड़ने वाले दबाव को कम करता है।

छोटे कदमों का बड़ा प्रभाव: ऊर्जा संरक्षण के लिए बहुत बड़े प्रयासों के अलावा, छोटे कदम भी उठाए जा सकते हैं। अगर आप विशेषज्ञों द्वारा बताई गई कुछ बातों पर ध्यान दें तो आप ऊर्जा और आर्थिक खर्च में भी बचत कर सकते हैं।

ऑफ रखें उपकरण: जब आप उपकरणों का इस्तेमाल न कर रहे हों तो सभी बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद कर दें, क्योंकि स्टैंडबाय मोड में भी वे बिजली की खपत करते हैं। कोई कंप्यूटर बंद करने पर, स्लीप मोड पर रखने की तुलना में 10 गुना कम ऊर्जा की खपत कर सकता है। एक टीवी स्टैंडबाय मोड में एक वर्ष में 70 यूनिट तक बिजली खर्च कर सकता है। सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद करने से साल में 5000 रुपए से 6000 रुपए तक बचाए जा सकते हैं।

इससे बिजली होगी कम खर्च: ज्यादा पुराना फ्रिज आधुनिक फ्रिज की तुलना में चार गुना ज्यादा बिजली खर्च करता है। घर के उपकरण जैसे फ्रिज का दरवाजा बार-बार खोलने और बंद करने से बिजली की खपत बढ़ जाती है। फ्रिज के पीछे की कूलिंग कॉइल पर धूल जमने से इसकी क्षमता घट जाती है, जिससे मोटर को अधिक काम करना पड़ता है और बिजली खर्च होती है। अपने फ्रिज को ओवन या स्टोव के पास न रखें, क्योंकि इससे बिजली की खपत बढ़ जाती है। लैपटॉप या डेस्कटॉप में, मॉनिटर अकेले ही पूरे सिस्टम की आधी से अधिक ऊर्जा का उपभोग करता है।

वाशिंग मशीन में गर्म पानी का तापमान कम करने से बिजली बचाई जा सकती है। एसी का इस्तेमाल करते समय, खिड़कियों पर पर्दे लगाएं ताकि कमरे की ठंडक बाहर न निकले। एसी फिल्टर को हर पंद्रह दिन में एक बार साफ करने से कंप्रेसर पर लोड कम होता है, जिससे ऊर्जा की बचत होती है। एसी को सीधे धूप से बचाएं, ताकि बिजली की खपत कम हो सके। माइक्रोवेव ओवन पारंपरिक इलेक्ट्रिक या गैस स्टोव की तुलना में कम ऊर्जा की खपत करते हैं। नया इलेक्ट्रॉनिक्स रेगुलेटर पुराने किस्म के रेगुलेटर की तुलना में अधिक ऊर्जा बचाता है। इन उपायों से ऊर्जा संरक्षण में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

निर्भीक-बेबाक आत्मकथा

वरिष्ठ साहित्यकार उद्भ्रांत की आत्मकथा 'मैंने जो जिया' का तीसरा खंड 'काली रात का मुसाफिर' हाल में छपकर आया है। इसमें उन्होंने वर्ष 1987 से 1995 तक की अवधि के अपने जीवन का वर्णन किया है। कुल इक्कीस अध्यायों में बंटे उनकी इस अवधि की जीवनयात्रा में आए अनेक पहलू उजागर हुए हैं। इन अध्यायों के शीर्षक उन्होंने अपनी कविताओं से ही लिए हैं, जो उनके जीवन संघर्ष को प्रभावी ढंग से व्यक्त करते हैं। इससे गुजरते हुए यह साबित होता है कि वे अपने जीवन में एकसाथ कई मोर्चों पर संघर्ष करते रहे हैं। चाहे कार्यस्थल हो, पारिवारिक जीवन हो या साहित्य जगत, उन्होंने बिना किसी पक्षपात के पूरी बेबाकी से अपनी गाथा लिखी है। कहने की जरूरत नहीं कि यह ईमानदारी ही इस आत्मकथा को और भी महत्वपूर्ण बनाती है। बहुस्तरीय द्वंद्वों के बावजूद वे कैसे अपनी रचनाशीलता बचाए रखते हैं, यह नए रचनाकारों के लिए प्रेरक हो सकता है। औपन्यासिक शैली में लिखे जाने के कारण इसे पढ़ने में रोचकता और बढ़ जाती है क्योंकि इसमें वह स्वयं एक पात्र के रूप में नजर आते हैं। *

पुस्तक: काली रात का मुसाफिर (आत्मकथा), **लेखक:** उद्भ्रांत, **मूल्य:** 499 रुपए, **प्रकाशक:** अमन प्रकाशन, कानपुर

व्यंग्य / विनय मोघे

मंच पर दूल्हा-दुल्हन के बगल में बैठने वालों के हाथों में या खुद दूल्हा-दुल्हन के गले में भी क्यू आर कोड लटकाया जा सकता है। दूल्हे को नोटों की माला पहनाने के स्थान पर क्यू आर कोड की माला पहनाने से भी मेहमान अपना-अपना नेग चलते-फिरते भी दे सकेंगे।

शगुन@क्यूआर कोड

हाल ही में मुझे एक शादी समारोह में जाना था। कहीं भी सपरिवार पहुंचने में मुझे हमेशा देर ही हो जाती है। इसका कारण विश्वव्यापी है। श्रीमती जी को तैयार होने में देरी। पर उस दिन अनहोनी हो गई। मैं अपने मित्र के पुत्र की शादी में जरूरत से कहीं जल्दी पहुंच गया वह भी सपरिवार। उसके बाद शुरू हुआ गलतफहमियों का दौर। पहली गलतफहमी हमको हुई कि कहीं गूगल ने हमें गलत पते पर तो नहीं पहुंचा दिया है। उसके बाद वहां हमसे भी पहले पहुंचे कुछ लोगों को गलतफहमी हुई। किसी ने हमें टेंट वाला, डीजे वाला, केटरर्स, बैंड, बग्गी वाला और न जाने क्या-क्या समझ लिया। हम वहां जल्दी पहुंचने पर शर्मिंदा हो रहे थे। यह घटनास्थल भी शहर से बहुत दूर सूनसान इलाके में था, जहां आस-पास भी टाइम पास करने की कोई जगह नहीं थी। सो मैंने पत्नी से घर वापस चलने के लिए कहा पर वह तैयार नहीं हुईं, क्योंकि घर जाकर खाना बनाने का उनका मूड नहीं था। रास्ते में किसी होटल में खा लेंगे, मेरे ऐसा कहने पर वह तैयार हुईं। पर अब दूसरी समस्या थी कि साथ लाए शगुन के लिफाफे को किसे देकर जाएं ताकि हमारी उपस्थिति दर्ज हो जाए। पर उस जगह वहां ऐसा कोई नहीं था, जिसे हम लिफाफा सुपुर्द कर सकते। तो हमने लिफाफे के साथ ही घर के लिए प्रस्थान किया।

घर तक पहुंचने के एक घंटे के सफर में मैंने शादियों में क्यू आर स्कैनर के उपयोग पर बहुत गंभीरता से विचार किया। मैंने सोचा कि यदि आज उस जगह पर क्यू आर स्कैनर लगा होता तो हमें अपना लिफाफा वापिस ले जाने की नौबत नहीं आती। यदि क्यू आर कोड, निमंत्रण पत्र पर ही छपवा दें तो जो लोग शादी में नहीं आ सकते, वे भी अपनी आशीर्वाद राशि घर बैठे दे सकते हैं। शादी समारोह स्थल के मुख्य द्वार पर भी क्यू आर कोड लगाया जा सकता है। उन लोगों के लिए, जो बाहर से ही कल्टी मारना चाहते हैं। उसके बाद मंच पर दूल्हा-दुल्हन के बगल में बैठने वालों के हाथों में या खुद दूल्हा-दुल्हन के गले में भी क्यू आर कोड लटकाया जा सकता है। दूल्हे को नोटों की माला पहनाने के स्थान पर क्यू आर कोड की माला पहनाने से भी मेहमान अपना-अपना नेग चलते-फिरते भी दे सकेंगे। खाने की प्लेट पर भी क्यू आर कोड प्रिंट करवाया जा सकता है। जैसे ही खाने के लिए प्लेट उठाओ पहले पेमेंट करो बाद में खाना खाओ। यह तो हुई मेहमानों के लिए क्यू आर स्कैनर की बात। अब जरा वर-वधु पक्ष और अन्य पक्षों के लिए क्यू आर कोड की भी बात कर ली जाए।

दूल्हे की सालियां जूते छिपाने वाली रस्म का नेग अपने क्यू आर कोड पर लेने लगेंगी तो कैसा लगेगा! यदि एक साली हुई तब तो ठीक पर इसकी संभावना कम ही है। एक से ज्यादा सालियां होने पर क्यू आर कोड का उपयोग करना मुश्किल होगा। यदि शगुन की रकम कम ज्यादा हुई तो जूते के शगुन के लिए सालियों में ही संघर्ष होने की संभावना हो सकती है।

पंडितजी भी अपना क्यू आर कोड लेकर बैठेंगे और समय-समय पर अपनी दक्षिणा लेते रहेंगे। बैंड-बाजे और ढोलक वालों को अपना नेग लेने में थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्हें दो-तीन काम एक साथ करने होंगे। बजाना भी होगा, नेग देने वालों पर नजर रखकर अपना क्यू आर कोड रेंज में रखना होगा। बैंड-बाजे, ढोलक और लाइट वालों को वैसे भी इसकी आदत है। यह भी हो सकता है कि बारात की विदाई के मौके पर दूल्हे का बाप अपना क्यू आर कोड लेकर अड़ जाए कि जब तक फलां रकम का भुगतान मेरे क्यू आर कोड पर नहीं होगा, बारात यहां से नहीं जाएगी। आप तो बस देखते जाइए आगे होता है क्या-क्या! *

हर्बल इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिसिन द्वारा संभव है
कैंसर का इलाज बिना किमो-बिना रेडिएशन

इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा के साथ
कैंसर को दें मात
सबसे सुरक्षित व प्रभावी इलाज

देवी अहिल्या कैंसर अस्पताल इंदौर

NO CHEMO THERAPY
- स्पष्ट प्रभाव परिणाम
- कम खर्चिला
- उच्चतम सफलता दर
- कैंसर की अंतिम स्टेज पर भी प्रभावशाली उपाय

NO RADIO THERAPY
- दर्द रहित इलाज
- कोई दुष्प्रभाव नहीं
- सफल इलाज के रिकार्डस
- अच्छे अनुभवी डॉक्टर

www.dahrc.in

HELPLINE 9584040131
कैंसर की जंग में हम आपके साथ हैं ...

1, आनंद नगर, चितावद, नेमावर रोड, नवलखा, इंदौर
फोन-0731-4084422 | 9685029784

पर्यटन स्थल
वीना गौतम

प्राकृतिक सौंदर्य-आनंद का अरण्य
नंदन कानन वन

कई पुराणों, रचनाओं में वर्णित नंदन वन आज भी अपने नैसर्गिक सौंदर्य के साथ उपस्थित है। यहां पहुंचकर आनंद और प्रकृति के सान्निध्य की अनोखी अनुभूति होती है। नंदन वन के सौंदर्य और महत्ता को पुनः हासिल करना चाहते हैं, तो हमें नंदन वन को संरक्षण देना होगा। इस वन की विशेषताओं और महत्ता के बारे में जानिए।

नंदन वन-यह शब्द सुनते ही मन में एक दिव्य, हरा-भरा और संगीतपूर्ण वातावरण का चित्र उभरता है। वास्तव में यह केवल एक भौगोलिक स्थल भर नहीं बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक प्रतीक है। जिस तरह अपने देश में स्थित दंडकारण्य को युगों पहले तप और त्याग की भूमि माना जाता रहा था और नैमिषारण्य को ज्ञान की स्थली माना जाता था। उसी तरह नंदन वन आनंद, सौंदर्य और प्राकृतिक सामंजस्य की भूमि के तौर पर जाना जाता है।

प्राचीन-पौराणिक उल्लेख

इस वन का उल्लेख वेद, महाभारत, रामायण, भागवत पुराण और विष्णु पुराण में स्वर्गलोक के बागीचे के रूप में मिलता है। लेकिन इसकी पृथ्वीलोक में भी अपनी भौतिक उपस्थिति थी, जहां पुण्य आत्माएं अपने कर्मों के मुताबिक विश्राम करती थीं। अगर हम पौराणिक दृष्टि से देखें तो महर्षि नारद और इंद्र के संवादों में बार-बार नंदन वन का उल्लेख मिलता है। कुल मिलाकर प्रतीकात्मक अर्थ में नंदन वन, मनुष्य के भीतर सौंदर्य, आनंद और आत्मिक शांति का प्रतीक माना जाता रहा है, जो हमें यह याद दिलाता है कि सच्चा आनंद और सौंदर्य बाहरी वस्तुओं से नहीं बल्कि भीतरी मन और प्राकृतिक संतुलन में ही संभव है।

अब हो गया नंदन कानन वन

यहां जिस नंदन वन की ऐतिहासिकता और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का उल्लेख कर रहे हैं, वह अब नंदन कानन वन के नाम से जाना जाता है, जो मौजूदा ओडिशा राज्य में एक आधुनिक अभ्यारण्य के रूप में मौजूद है। यह नंदन कानन वन, जैविक उद्यान या जियोलॉजिकल पार्क के रूप में भी जाना जाता है, यह प्राचीन और पौराणिक नंदन वन का आधुनिक रूप है। यह उद्यान भुवनेश्वर से करीब 15 किलोमीटर दूर जूनागढ़ वन क्षेत्र में स्थित है, जिसका नामकरण 29 दिसंबर 1960 को 'नंदन कानन' के रूप में हुआ था।

रहते हैं कई प्रजातियों के जंतु

आज की तारीख में नंदन कानन महज जैविक उद्यान भर नहीं है बल्कि भारत के प्रमुख चिड़ियाघरों में से एक है। 437 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैले इस जैविक उद्यान में 157 प्रजातियों के तकरीबन 3517 से अधिक जानवर रहते हैं। इनमें सफेद बाघ, शेर, हाथी, मगरमच्छ और विभिन्न प्रजातियों के पक्षी शामिल हैं। यह उद्यान केवल वन्यजीवों का संरक्षण नहीं करता बल्कि पर्यावरणीय शिक्षा और जैव विविधता के महत्व को भी बढ़ावा देता है। यहां की व्हाइट टाइगर सफारी, लायन सफारी और बटरफ्लाई पार्क पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र हैं।

पर्यावरणीय-सांस्कृतिक महत्ता

नंदन कानन जैविक उद्यान का आज की तारीख में पौराणिक से ज्यादा पर्यावरणीय महत्व है। यह स्थान न केवल वन्यजीवों का घर है बल्कि जैव विविधता, पर्यावरणीय शिक्षा और प्राकृतिक सौंदर्य का भी केंद्र है। यहां स्थित कंजिया झील और आस-पास के जंगल क्षेत्र वन्यजीवों के लिए प्राकृतिक आवास प्रदान करते हैं और देश के दूर-दूर से आए पर्यटकों को प्रकृति के समीप आने का एहसास कराते हैं। सांस्कृतिक दृष्टिकोण से नंदन वन भारतीय लोककला, संगीत और साहित्य की प्रेरणा का भी स्रोत है। यहां के प्राकृतिक सौंदर्य और शांति ने अनेक रचनाकारों को अपनी रचनाएं लिखने के लिए प्रेरित किया है। नंदन वन प्रकृति के संतुलन और सौंदर्य का संरक्षण करता है। यह हमें याद दिलाता है कि प्रकृति आनंद का स्रोत है। यह इसके उपभोग का जरिया नहीं है। जैव विविधता का संरक्षण, जलवायु संतुलन और वृक्षारोपण की भावना इसी नंदन वन की संस्कृति का हिस्सा है।

कई रचनाओं में है उल्लेख

चाहे वेदों, पुराणों में वर्णित नंदन वन हो या आज भारत के कई क्षेत्रों में स्थित अलग-अलग नंदन वन, सभी का उद्देश्य पृथ्वी के सौंदर्य और प्राकृतिक संपन्नता से है। इनका वर्णन कई रचनाकारों ने किया है। किसी कवि ने लिखा है- *वृक्ष वंदन हों, नदियां गान करें/ और मन में निर्मल आनंद बहे/ तो समझो हम नंदन वन में हैं।* कुछ इसी प्रकार प्रसिद्ध कवि जयदेव के 'गीत गोविंद' में नंदन वन का रूपक मिलता है। इसी तरह अनेक लोकगीतों में नंदन वन का आनंद जैसी पंक्तियां आती हैं। इसलिए यह केवल एक स्थान नहीं बल्कि मन और आत्मा को दिव्य अनुभव देता है। इसलिए आज यह हमारी जिम्मेदारी है कि नंदन वन के महत्व को समझें, उसके संरक्षण का प्रयास करें। *

देश में और भी हैं नंदन वन

जहां तक हम पुराणों में उल्लिखित नंदन वन की कल्पना करते हैं, तो वह अकेला नंदन कानन वन क्षेत्र ही नहीं है। बल्कि देश के कई अलग-अलग क्षेत्रों में मौजूद कुछ वनों को भी प्राचीन काल से नंदन वन ही कहा जाता रहा है। एक नंदन वन का रिश्ता छत्तीसगढ़ के नंदन वन जैव उद्यान से है, जो कि वहां की राजधानी रायपुर में स्थित है। छत्तीसगढ़ का यह नंदन वन 202 हेक्टेयर में फैला है और यहां भी बाघ, शेर, भालू, हाथी, मोर, मगरमच्छ जैसी जीव प्रजातियों का घर है। इस आधुनिक नंदन वन का उद्देश्य जैव विविधता को संरक्षण देना और पर्यावरण के साथ-साथ ग्रीन टूरिज्म को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही देश के एक और पहाड़ी क्षेत्र में ऐसा ही नंदन वन स्थित है। यह उत्तराखंड में स्थित है और यह भी हिमालयी क्षेत्र का प्राकृतिक उद्यान है। इसके परिक्षेत्र में आने वाले कई क्षेत्र जैसे कौसानी, रानीखेत, औली आदि में लोग इसे नंदन वन ही पुकारते हैं। यहां की सुंदरता, देवदारों की सुगंध और हिमालय का वैभव, इस वन क्षेत्र को एक दिव्यता प्रदान करता है।

आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली ऊपर से नकारात्मकता, असुरक्षा, डर का माहौल। ऐसे में चिंता, तनाव या भ्रम की स्थिति होना स्वाभाविक है। इस स्थिति को कैसे हैंडल करें कि आप हैप्पी-कूल रह सकें? आपके लिए उपयोगी सलाह।

चिंता-तनाव को करें दूर रहें हमेशा टेंशन-फ्री

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

वर्तमान समय में हर किसी की जिंदगी में कशमकश, तनाव और चिड़चिड़ापन व्याप्त है। हिंसा, चोरी, ठगी, अन्याय या प्रतिशोध जैसी घटनाएं आम होती जा रही हैं। जिस तरह आज के दौर में नकारात्मकता, हिंसा और वैचारिक प्रदूषण नजर आ रहा है, ऐसा पहले नहीं था। ऐसे में व्याकुलता, झुंझलाहट या भ्रम की स्थिति उत्पन्न होना स्वाभाविक ही है। यह सच है कि दूसरों के विचारों, उनके क्रियाकलापों पर आपका नियंत्रण नहीं है, लेकिन कुछ छोटी-छोटी बातें अपना कर आप स्वयं को शांत, खुश और संयत रख सकते हैं।

किसी अजनबी की तारीफ करें: न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित एक अध्ययन की रिपोर्ट बताती है कि किसी अजनबी द्वारा की गई साधारण सी तारीफ भी न केवल किसी का दिन बना सकती है बल्कि उस व्यक्ति के आत्मविश्वास में भी इजाफा कर सकती है। आप ऐसा करेंगे तो न सिर्फ अजनबी को बल्कि आपको भी खुशी मिलेगी। आप लोगों के साथ ऐसा व्यवहार करेंगे तो वहां उपस्थित दूसरे लोग भी यकीनन आपके साथ सकारात्मक व्यवहार करेंगे। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी की एक्सपर्ट डॉक्टर डेबोरा ब्लम ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा है कि अजनबियों के साथ दोस्ताना व्यवहार से आप बेहतर महसूस करते हैं।

कम गहरे रिश्तों को दें महत्व: हमें अपने सामाजिक और व्यक्तिगत संबंधों का दायरा कुछ बेहद खास, गिने-चुने लोगों तक ही संकुचित नहीं रखना चाहिए। नए दोस्तों को अपने जीवन में शामिल करना फायदेमंद होता है। ये नए रिश्ते न केवल हंसी-खुशी में योगदान करते हैं बल्कि कई तरह की मानसिक जरूरतों को भी पूरा करते हैं। कम गहरे रिश्ते में एक-दूसरे से बड़ी-बड़ी उम्मीदें, ईर्ष्या और कुंठा की संभावनाएं भी कम होती हैं। इससे मन कम आहत होता है।

विचारों का विश्लेषण करें: विचारों का हमारे तन-मन पर गहरा असर पड़ता है। जब बहुत सारे विचार उलझ गए हों और आप परेशान रहने लगे हों तो विचारों का एनालिसिस शुरू करें। हर दिन की समाप्ति पर अपने विचारों को तीन भागों में बांट लें। प्रेरक, सामान्य और नकारात्मक। नकारात्मक विचारों को दूसरे नजरिए से देखें-सोचें। इसे ऐसे सोचें, 'यह सब मेरे नियंत्रण में नहीं। लेकिन मैं सावधान रहूंगा और गलत चीजों से दूर रहूंगा।'

खुद को शक्तिशाली समझें: अकसर लोग आस-पास के कोलाहल, अव्यवस्था आदि से घबरा जाते हैं या भयभीत हो जाते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि हमें स्वयं को सक्षम, समझदार और शक्तिशाली समझना चाहिए। इससे व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन आते हैं और दुनिया की वास्तविकताओं का हम सामना कर पाते हैं। इससे हम भ्रम, भय और संशय से मुक्त रहेंगे।

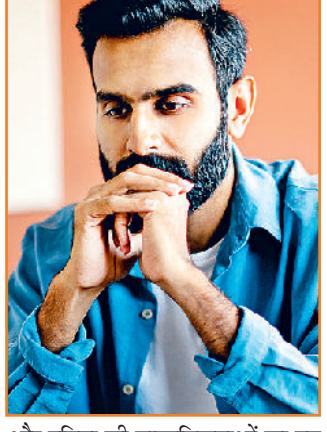

रोज कुछ अच्छा देखने का प्रयास करें: आपको अच्छी चीजें खोजने, उन्हें देखने और महसूस करने की आदत डालनी चाहिए। 'एंज्वॉइंग एवरीडे ब्यूटी' पुस्तक में इस संदर्भ में बहुत अच्छी बात कही गई है- यदि आप आस-पास की छोटी चीजों में सौंदर्य खोजने लगें तो यह आपके जीवन को सकारात्मकता और आनंद से भर सकता है।

सूचनाओं का एक्सपोजर कम करें: बहुत सारी सूचनाएं देखकर, पढ़-सुनकर भी हमारा मन नकारात्मक और अशांत हो जाता है। हमें अपने मतलब और काम भर की सूचनाओं पर ही फोकस करना चाहिए। यहां बताई गई इन बातों का ध्यान रखकर आप चिंता और तनाव से मुक्त रह सकते हैं। *

विंटर एसेसरीज
विवेक कुमार

ये ट्रेंडी-स्टाइलिश ग्लव्स देंगे हॉट फील-कूल लुक

सर्दी के मौसम में ठंड से बचने के लिए गर्म ड्रेसेस, एसेसरीज तो सभी कैरी करते हैं। लेकिन यंगस्टर्स उसमें भी ऐसी चीजों को प्रेफर करते हैं, जो उन्हें स्टाइलिश लुक भी दे। इसीलिए विंटर ग्लव्स अब सिर्फ यंगस्टर्स के हाथों को गर्म रखने वाली एसेसरीज नहीं हैं बल्कि ये विंटर सीजन के लिए उनके स्टाइल स्टेटमेंट बन चुके हैं। बाजार में उपलब्ध ग्लव्स के नए-नए डिजाइन, टेक फ्रेंडली फैब्रिक और स्पोर्टी अर्बन लुक भी इनकी बढ़ती पॉपुलैरिटी का कारण है।

फैशनेबल दिखाएं: इन दिनों बाजार में अनेक तरह के ग्लव्स मिल रहे हैं, जो विशेष तौर पर फैशन पसंद युवाओं के लिए सर्दी का खास पहनावा बन गए हैं। विंटर ग्लव्स की बढ़ती डिमांड के कारण आजकल बाजार में विंटर ग्लव्स की बहार आई हुई है। डबल लेयर्ड, वाटर रेसिस्टेंट और विंड प्रूफ मैटेरियल से बनने वाले विंटर ग्लव्स इन दिनों युवाओं के एसेसरीज नंबर-वन बने हुए हैं।

हाथों को देते हैं गर्माइश: सर्दी के मौसम में हथेलियों में ठंड लगने की वजह से कोई भी काम करने में असुविधा होती है। हाथों को सर्दी से बचाने के लिए नरम ऊन, फ्लीस या न्यूट्रिन से बने ग्लव्स न केवल हाथों की गर्मी को अंदर ही कैद रखते हैं बल्कि यह बाहरी ठंड को भी अंदर नहीं घुसने देते। कहने का मतलब, ये ग्लव्स सर्दियों में हाथों को भरपूर गर्माइश देते हैं।

शहरी युवाओं के बीच ये ग्लव्स फैशनेबल एसेसरीज के रूप में जाने जाते हैं।

टच स्क्रीन ग्लव्स: आज के दौर में मोबाइल या लैपटॉप हमारे कामकाजी जीवन के साथ-साथ डेली लाइफस्टाइल का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए बाजार में अब ऐसे ग्लव्स भी मिल रहे हैं, जिनको पहनकर आप अपने मोबाइल, टैब और लैपटॉप को आराम से ऑपरेट कर सकते हैं। ये टच स्क्रीन फ्रेंडली ग्लव्स, युवाओं में बेहद लोकप्रिय हैं। इन ग्लव्स में अंगूठे और तर्जनी पर विशेष किस्म के कंडक्टिव फाइबर की वजह से इन्हें पहनकर मोबाइल, स्मार्ट वाच या टैबलेट को आसानी से चलाया जा सकता है। कॉलेज गोइंग स्टुडेंट्स, कैब ड्राइवर, डिलिवरी ब्वॉय और आईटी सेक्टर में काम करने वाले युवाओं के लिए यह पहली पसंद है।

बाइक राइडर के लिए: सर्दियों में बाइक चलाते समय ठंडी हवा के तेज झोंके हाथों को सुन्न कर देते हैं, जिसके कारण हैंडल को नियंत्रित करने में मुश्किल आती है। इसलिए पाम गार्ड ग्लव्स, लेदर ऑल सीजन ग्लव्स और ग्रिप एनहैंस ग्लव्स की भी सर्दियों में जबर्दस्त मांग होती है। इस बार बाजार में रिफ्लेक्टिव स्ट्रिप्स, एंटी स्लीप टेक्सचर और थर्मल पैडिंग वाले ग्लव्स बाइक चलाने वाले युवाओ की जबरदस्त पसंद बने हुए हैं। *

राज कपूर का जिक्र किए बिना हिंदी सिनेमा की बात अधूरी ही रहेगी। केवल अभिनय में ही नहीं, फिल्म निर्माण और निर्देशन में भी उनका अंदाज सबसे निराला था। उनकी कई फिल्मों को क्लासिक का दर्जा हासिल है। राज कपूर की जयंती (14 दिसंबर) पर हिंदी फिल्मों में उनके योगदान पर एक नजर।

अनोखे फिल्मकार-लाजवाब अभिनेता थे हिंदी फिल्मों के पहले शोमैन राज कपूर

यादें / मनोज प्रकाश

हिंदी फिल्मों के ज्यादातर दर्शक थिएटर इस उद्देश्य से जाते हैं कि वे रुपहले पर्दे के सामने बैठकर कुछ देर के लिए बाहर की दुनिया को भूलकर सिनेमा के संपूर्ण मनोरंजन में डूब जाएं। दर्शकों की इस सोच और कसौटी पर पूरी तरह खरी उतरती हैं राजकपूर की फिल्में।

'शोमैन' से कहीं आगे

राजकपूर को हिंदी सिनेमा का पहला 'शोमैन' कहा जाता है, लेकिन उनकी शख्सियत इससे भी कहीं बढ़कर थी। उन्होंने जितनी भी फिल्में बनाईं, सभी में दर्शकों को हर प्रकार से भरपूर मनोरंजन मिला। उन्होंने संदेशपरक फिल्में भी बनाईं, उनकी ऐसी फिल्मों की कहानी और उसका प्रस्तुतिकरण भी लाजवाब हुआ करता था। संगीत, गीत, लोकेशन हो, चाहे फिल्म में काम कर रहे अभिनेता-अभिनेत्री हों या फिर विलेन ही क्यों न हों, सभी को देखकर लगता ही नहीं कि हम कोई सिनेमा देख रहे हैं। नायक-नायिका से लेकर फिल्म के सभी पात्र, यहां तक कि फिल्म की कहानी भी आस-पास के ही होने का अहसास कराते थे। यह प्रभाव, यही जादू था राजकपूर की फिल्मों का।

फिल्म मेकिंग की हर विधा में माहिर

राज कपूर फिल्म निर्माण के हर पक्ष में माहिर थे। बात अभिनय की हो, गीत-संगीत चुनने की, नायक-नायिका के ड्रेस सेलेक्शन की, लोकेशन डिसाइड करने की, कहानी समझने या निर्देशन कौशल की बात हो या फिर कैमरामैन के साथ बैठकर फिल्मांकन कराना, हर जगह उनकी एक स्पेशल छाप दिखती थी। उनकी यूनिट में शामिल क्लैप ब्वॉय से लेकर पर्दे के पीछे तक रहने वालों तक पर वह पैनी नजर रखते थे। आज भी एक्टर्स-डायरेक्टर्स उनके एक्टिंग और डायरेक्शन की बारीकियां देखते हैं, सीखते-समझते हैं, उनसे इंस्पायर होते हैं। आज भी जब-तब फिल्मों में राज कपूर का प्रभाव नजर आ जाता है।

फिल्म 'आवारा' में राज कपूर का अंदाज था निराला

'मेरा नाम जोकर' में राज कपूर ने किया शानदार अभिनय

दी कई यादगार फिल्में

1935 से लेकर 1988 तक राजकपूर ने 70 फिल्मों में अभिनय किया। 17 फिल्मों का निर्माण और 10 फिल्मों का निर्देशन किया। इन फिल्मों में से कुछ को छोड़कर राज कपूर की ज्यादातर फिल्मों की गिनती आज भी हिंदी सिने जगत की बेहतरीन फिल्मों में होती है। फिल्म 'मेरा नाम जोकर', शुरुआत में नकारी गई, लेकिन बाद में इस फिल्म ने तीन नेशनल अवार्ड जीतकर बता दिया कि जोकर ताश की गड्डी का सरताज होता है और किसी को भी मात दे सकता है। फिल्म का वह गीत 'अपने पे हंस के, जग को हंसाया, बन के तमाशा मेले में आया' आज जब हर कहीं दूसरे को रुलाने का दौर है, तब खुद पर हंसकर दूसरे को हंसाने वाले 'जोकर' की प्रासंगिकता समझ में आती है।

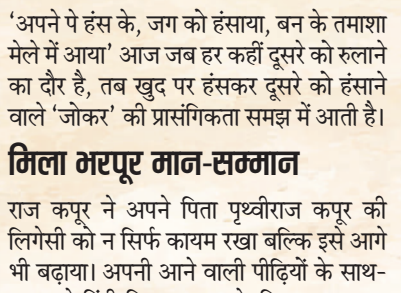

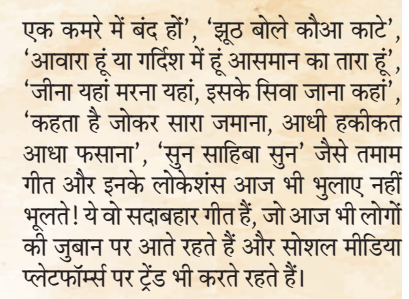

मिला भरपूर मान-सम्मान

राज कपूर ने अपने पिता पृथ्वीराज कपूर की लिगेसी को न सिर्फ कायम रखा बल्कि इसे आगे भी बढ़ाया। अपनी आने वाली पीढ़ियों के साथ-साथ पूरे हिंदी फिल्म जगत के लिए एक समृद्ध विरासत छोड़कर गए राज कपूर। एक तथ्य यह भी है कि कपूर फैमिली के तीन सदस्यों को दादा साहेब फाल्के अवार्ड से सम्मानित किया गया है। पृथ्वीराज कपूर, राज कपूर और शशि कपूर, दादा साहेब फाल्के से सम्मानित हो चुके हैं। राजकपूर को पद्मभूषण से भी सम्मानित किया गया था। इसके अलावा उन्हें तीन राष्ट्रीय पुरस्कार और ग्यारह फिल्मफेयर अवाड्र्स सहित कई अन्य पुरस्कार प्राप्त हुए। उनकी फिल्मों के गाने आज भी शादी-विवाह एवं अन्य अवसरों पर गाए-बजाए जाते हैं। 'मेरा जूता है जापानी...फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' तो एक समय में पूरे देश में सुना जाता था और लोग उसे खूब गाते-गुनगुनाते थे।

फिल्माए यादगार गीत-दृश्य

राज कपूर की फिल्मों के कई गीत और उनके दृश्य आज भी दर्शकों के मन पर अंकित हैं। घर में आटा गूंथती स्त्री के माथे पर आने वाली लटें, 'हम तुम एक कमरे में बंद हों', 'झूठ बोले कौआ काटे', 'आवारा हूं या गर्दिश में हूं आसमान का तारा हूं', 'जीना यहां मरना यहां, इसके सिवा जाना कहां', 'कहता है जोकर सारा जमाना, आधी हकीकत आधा फसाना', 'सुन साहिबा सुन' जैसे तमाम गीत और इनके लोकेशंस आज भी भुलाए नहीं भूलते! ये वो सदाबहार गीत हैं, जो आज भी लोगों की जुबान पर आते रहते हैं और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर ट्रेंड भी करते रहते हैं।

अंदाज था निराला

राज कपूर के फिल्मांकन में निरालापन हर कहीं देखा जा सकता है। उनकी फिल्मों में हास्य की बात करें तो वहां फूहड़ता नहीं, एक किस्म की निश्छलता और भोलापन दिखता है। पर्दे पर उनकी निश्छल हंसी सभी का मन मोह लेती और हंसाती, गुदगुदाती थी। कई बार हंसाते-हंसाते रुलाती भी थी। इस मामले में राज कपूर की तुलना अकसर चार्ली चैपलिन से की जाती है।

तमाम आलोचनाओं के बावजूद इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि 'सत्यम शिवम सुंदरम', 'राम तेरी गंगा मैली', 'श्री चार सौ बीस', 'आवारा', 'जागते रहो', 'बरसात', 'आग' जैसी फिल्में और इनके कुछ दृश्य 'क्लासिक' हैं। सामाजिकता को अपनी फिल्मों का विषय बनाकर उसे मनोरंजन के साथ पेश करना और रोमांटिक सींस में भी पवित्र प्रेम को दिखाना सिर्फ राज कपूर के द्वारा ही संभव था। *